ढोल-नगाड़ों के साथ शुरू हुई घर वापसी, कृषि कानूनों के विरोध में दिल्ली की सीमाओं पर एक साल से बैठे थे किसान

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:27 अंक: 01 दिनांक: 12-12-2021 रविवार मूल्य : 100 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

जनहितैषी हिन्दी दैनिक

अब वेब पोर्टल भी

प्रिय पाठकगण आप सभी के उष्मासभर सहयोग से आपका प्रिय समाचार पत्र जनहितैषी अपने प्रकाशन के २६ वर्ष पूर्ण कर आज २७वें वर्ष में प्रवेश कर चुका है।

अब समाचारों के लिए डिजीटल मीडिया सबकी अधिकतम पसंदगी है। इसे देखते हुए हमने आज से वेब पोर्टल शुरू किया है। इस पर आप ताजा समाचारों के साथ-साथ जनहितैषी समाचारपत्र भी पढ़ पायेंगे। तो आज ही सर्च करें

janhitaishinews.com

गाजीपुर बॉर्डर से लौटने लगे आंदोलनकारी किसान

- 15 दिसंबर तक खाली हो जाएगा गाजीपुर बॉर्डर

नई दिल्ली (ईएमएस)। किसानों के प्रदर्शन स्थल में से एक गाजीपुर बॉर्डर पर शनिवार को सीढ़ी, तिरपाल, डंडे और रस्सियां बिखरी पड़ी थीं क्योंकि कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलन खत्म होने के बाद किसानों ने अपने तंबू उखाड़ लिए, अपना सामान बांध कर उन्हें ट्रकों पर लादना शुरू कर दिया है।

किसान आंदोलन की समाप्ति के बाद घरों को वापस लौट रहे किसानों के कारण दिल्ली-सोनीपत-करनाल राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) पर शनिवार को भीड़ बढ़ने से ट्रैफिक की रफ्तार धीमी हो गई। किसान आज से ट्रैक्टरों और अन्य वाहनों के काफिले से अपने गृह राज्यों पंजाब और हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश की ओर लौटने लगे हैं। हाईवे पर वाहनों की लंबी-लंबी कतारें लगी देखी गईं। ट्रैक्टर-ट्रॉलियों व अन्य वाहनों के काफिले को देखते हुए एनएच पर कई जगहों पर जाम के हालात पैदा हो गए। इस दौरान, केंद्र के तीन कृषि कानून की वापसी के लिए किसानों के परिवारों ने रास्ते में कई जगहों पर पंजाब और हरियाणा के किसानों का स्वागत माला, 'लड्डू', 'बर्फी' और अन्य मिठाइयों के साथ किया। इसके साथ ही रास्ते में कुछ जगहों पर लंगर की भी व्यवस्था की गई थी। सोनीपत के एक ट्रैफिक पुलिस अधिकारी ने बताया कि सोनीपत-करनाल एनएच पर ट्रैफिक धीमी गति से चल रहा था। उन्होंने कहा कि कुछ वाहन हाईवे पर गलत साइड से चलने की कोशिश कर रहे थे, जिससे ट्रैफिक जाम बढ़ रहा था। दिल्ली-रोहतक राष्ट्रीय राजमार्ग पर भी कुछ बिंदुओं पर ट्रैफिक की गति धीमी हो गई थी और बड़ी संख्या में किसान अपने घरों को लौट रहे थे। ट्रैफिक मैनेजमेंट के लिए प्रमुख राजमार्गों पर विभिन्न बिंदुओं पर कई पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया है। 40 किसान यूनियनों वाले संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) ने गुरुवार को तीन विवादास्पद कृषि कानूनों के खिलाफ किसान आंदोलन को स्थगित करने का फैसला किया था और घोषणा की थी कि किसान 11 दिसंबर को दिल्ली की सीमाओं पर विरोध स्थलों से घर वापस जाएंगे। किसानों के आंदोलन का समर्थन करने वाले ग्रामीणों और अन्य लोगों ने किसान संगठनों के झंडों और पुष्प वर्षा के साथ राजमार्गों पर उनका स्वागत किया। हरियाणा पुलिस ने कहा था कि उसने राज्य में राष्ट्रीय राजमार्गों पर यातायात की परेशानी मुक्त आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए व्यापक इंतजाम किए हैं। हरियाणा पुलिस के एक प्रवक्ता ने कहा था कि पुलिस अधीक्षकों को दिल्ली और अंबाला, और बहादुरगढ़ और हिसार जींद के बीच सभी जिलों में यातायात के सुचारू प्रवाह को सुनिश्चित करने के लिए उचित यातायात, सुरक्षा और कानून व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है।

सीडीएस रावत और उनकी पत्नी की अस्थियां हरिद्वार में गंगा में प्रवाहित की गई

नई दिल्ली (ईएमएस)। शोक में डूबे देश ने जनरल बिपिन रावत और उनकी पत्नी मधुलिका को नम आंखों से अंतिम विदाई दी। दिल्ली छावनी स्थित बरार स्क्वायर अंत्योष्टि स्थल पर जनरल रावत और उनकी पत्नी के पार्थिव शरीर को उनकी बेटी ने मुखाग्नि दी।इसके बाद दोनों के पार्थिव शरीर पंच तत्व में विलिन हो गए। जनरल रावत की छोटी बेटी तारिणी ने अपनी बड़ी बहन कृतिका के साथ मिलकर माता-पिता के अंतिम संस्कार से जुड़े अनुष्ठान कार्य किए। सीडीएस जनरल बिपिन रावत की अस्थियां हरिद्वार में गंगा में प्रवाहित की गई। जनरल रावत और उनकी पत्नीकी अस्थियों को लेकर उनकी दोनों बेटियां कृतिका और तारिणी हरिद्वार के लिए रवाना हुई।बेटियों ने नम आखों से वीआईपी घाट पर गंगा में उनकी अस्थियां विसर्जित कीं। जनरल रावत के स्वजन करीब 11 बजे वीआईपी घाट पर पहुंचे थे। बड़ी संख्या में लोग भी उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए घाट पर पहुंचे।लेकिन उन्हें बाहर ही रोक दिया गया है।अंदर केवल जनरल बिपिन रावत के स्वजन और सेना के अधिकारी ही गए।

लालू पर साधु यादव का हमला, वह ना राजा है ना रंक है वह तो अब कलंक

पटना (ईएमएस)। बिहार की राजनीति में इन दिनों तेजस्वी यादव की शादी की खूब चर्चा में है। तेजस्वी की शादी दिल्ली में एक सादे समारोह में हुई।बताया जा रहा है कि तेजस्वी ने अपने बचपन की दोस्त से शादी की है। जिस लड़की से तेजस्वी ने शादी की है उसका धर्म क्रिश्चिन बताया जा रहा है। इसके बाद उनके मामा साधु यादव ही तेजस्वी पर सवाल उठाने लगे हैं। तेजस्वी के फैसले पर साधु यादव ने उन्हें भकचोंहर करार दिया। तेजस्वी की शादी को लेकर साधु यादव से सवाल हुआ तब उन्होंने कहा कि वह दूसरे धर्म की लड़की है। शादी चुपचाप हुआ है, ढोल नगाड़े नहीं बजे हैं, ना कार्ड छपा है। वर्तमान में तेजस्वी केवल एक व्यक्ति नहीं है, लीडर आफ अपोजिशन है।

उन्होंने कहा कि वह कई वर्षों से लगातार उस लड़की के साथ रह रहे थे। अब बिहार की जनता उनसे सवाल पूछेगी। उन्होंने कहा कि लालू यादव का अब समय समाप्त हो रहा है। उन्होंने बिहार में कलंक लगा दिया। वह तो ना राजा है रंक है वह तो अब कलंक है। साधु ने कहा कि तेजस्वी को लालू यादव ने ऐसा संस्कार दिया कि वह अपने कुल खानदान को मिटा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आप बदनाम दूसरों को करते हैं और खुद नाजायज काम कर रहे हैं। उन्होंने लालू पर हमला करते हुए कहा कि दूसरे को संस्कार का पाठ पढ़ाते थे। लेकिन अपना संस्कार कहां बेच दिया।लालू यादव ने ना अपनी बेटी को संस्कार दिया और ना ही अपने लड़के को संस्कार दिया है।

साधु यादव ने कहा कि यादव समाज को लालू यादव ने 30-35 वर्षों से ठगा है। उन्हें वोट यादव का चाहिए और शादी क्रिश्चिन लड़की से करेंगे। बिहार के अंदर अब लोग उनका मजाक उड़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अभी तो कुछ नहीं है। बारी-बारी से लालू परिवार का खूब पोल खुलेगा। उन्होंने कहा कि काल मनुष्य पर छाता है बुद्धि-विवेक मर जाता है। उन्होंने कहा कि तेजस्वी ने सब कुछ चौपट कर दिया। उनके भाग्य में राजयोग था लेकिन अब सब खत्म हो गया।

अनुप्रिया पटेल भी सपा के साथ करेंगी गठबंधन

नई दिल्ली (ईएमएस)।यूपी विधानसभा चुनाव करीब आने के साथ ही जहां वार पलटवार तेज हो रहे हैं, वहीं गठबंधनों को लेकर भी जोर आजमाइश हो रही है। अभी तक सबसे ज्यादा दलों का गठबंधन समाजवादी पार्टी के साथ हो चुका है। अखिलेश ने अपना दल कृष्णा गुट के साथ गठबंधन किया है। अनुप्रिया पटेल वाले अपना दल से गठबंधन की चर्चा भी तैर रही हैं। इसी को लेकर पूछे गए सवाल पर अखिलेश ने कहा कि पहले वह केंद्रीय मंत्री पद छोड़ें तब देखेंगे।अनुप्रिया पटेल फिलहाल मोदी सरकार में राज्यमंत्री हैं। 2014 में सांसद बनने के बाद उन्हें मंत्री बनाया गया था। 2017 में अनुप्रिया पटेल ने भाजपा के साथ गठबंधन कर विधानसभा का चुनाव लड़ा था। 2019 में भी वह भाजपा के साथ लोकसभा चुनाव में उतरीं और मिर्जापुर से जीत भी हासिल की लेकिन मंत्री नहीं बनाई गईं। कुछ समय पहले ही अनुप्रिया पटेल को दोबारा मंत्री बनाया गया है। अखिलेश यादव ने शनिवार को प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि महिलाओं के मान और सम्मान के लिए सपा सरकार ने काफी काम किया। हमने 500 रुपए वृद्धावस्था पेंशन दी। उन्होंने कहा कि भाजपा तो सिर्फ फीता काटना जानती है। साल 22 आने वाला है और भाजपा किसान की आय दोगुनी करने का वायदा पूरा नहीं कर पाई। अखिलेश ने कहा है कि सरकार बनने पर महिला पेंशन की धनराशि दुगनी या तिगुनी बढ़ोतरी की जाएगी। उन्होंने कहा कि भाजपा ने चुनाव देखते हुए मार्च तक मुफ्त राशन देने की घोषणा की है, लेकिन अगर समाजवादी सरकार आई तो हम गरीबों को समाजवादी फूड पैकेट देने की योजना लागू करेंगे। जनता अब ने मन बना लिया है उन्हें अब योगी सरकार नहीं योग्य सरकार चाहिए। अखिलेश यादव ने भाजपा के 'फर्क साफ है अभियान' पर तंज करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी ने युवाओं को लैपटॉप दिए और भाजपा ने उन पर लाठीचार्ज किया। सपा ने गरीबों को लोहिया आवास दिया और भाजपा ने तो लखीमपुर खीरी में किसानों को कुचल डाला। सपा ने महिलाओं को सम्मान दिया और भाजपा ने चुनाव के दौरान उनकी साड़ी खींचने का कार्य किया है। फर्क साफ है। भाजपा अब चुनाव जीतने के लिए जनता रैली के बजाए सरकारी रैलियां कर रही है। सरकारी बसों का इस्तेमाल इनमें किया जा रहा है। सपा अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा सरकार के हर कारनामे को जनता समझ चुकी है। अब उसके झांसे में नहीं आएगी।

कार्टून कोना

स्टैंड-ऑफ एंटी टैंक मिसाइल का सफलतापूर्वक परीक्षण

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रेस सूचना ब्यूरो ने एक विज्ञप्ति में कहा कि भारत ने आज पोखरण रेंज से लॉन्च किए गए स्टैंड-ऑफ एंटी टैंक मिसाइल का सफलतापूर्वक परीक्षण किया।

मिसाइल को रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन के साथ मिलकर रिसर्च सेंटर द्वारा डिजाइन और विकसित किया गया है। यह एक श्रें साधक से लैस है जो सुरक्षित दूरी से उच्च परिशुद्धता स्ट्राइक क्षमता प्रदान करता है। ऐंऊ मिसाइल 10 किलोमीटर तक की दूरी से लक्ष्य को भेद सकती है।

पीआईबी ने अपने बयान में कहा, ठउड़ान-परीक्षण अपने सभी मिशन उद्देश्यों में सफल रहा। एकीकृत सॉफ्टवेयर के साथ सभी एवियोनिक्स, संतोषजनक प्रदर्शन और ट्रैकिंग सिस्टम ने सभी मिशन कार्यक्रमों की निगरानी की।ठ

भारतीय वायु सेना के शस्त्रागार को मजबूत करने के लिए लंबी दूरी के बम और स्मार्ट एंटी-एयरफील्ड हथियार के बाद हाल के दिनों में परीक्षण किए जाने वाले स्वदेशी स्टैंड-ऑफ हथियारों की श्रृंखला में यह तीसरा है।

डीआरडीओ द्वारा डीआरडीओ द्वारा ओडिशा के तट पर एक एकीकृत परीक्षण रेंज में सतह से हवा में मार करने वाली वर्टिकल-लॉन्च की गई कम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल का परीक्षण करने के चार दिन बाद **SANT** मिसाइल का उड़ान परीक्षण किया गया।

महामारी की तीसरी लहर का कारण बन सकता है ओमिक्रॉन

- मुंबई में 'ओमिक्रॉन' की दहशत, दो दिनों के लिए धारा 144 लागू

मुंबई, (ईएमएस)। दक्षिण अफ्रीका से सबसे पहले पाए गए कोरोना वायरस के नए वेरिएंट ओमिक्रॉन का खतरा पूरे विश्व समेत भारत में भी बढ़ता जा रहा है. पिछले कई दिनों से भारत में भी इसके मामले लगातार बढ़ रहे हैं. स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, महाराष्ट्र में अब तक ओमिक्रॉन वेरिएंट के 17 मामले दर्ज किए गए हैं. इनमें मुंबई में 3 मामले शामिल हैं. ओमिक्रॉन के चलते मुंबई में 2 दिनों के लिए धारा 144 लागू की गई है. शहर में 12 दिसंबर को धारा 144 लागू रहेगी. इस दौरान किसी भी प्रकार की रैली और प्रदर्शन पर रोक रहेगी. साथ ही आदेश का पालन नहीं करने पर आईपीसी की धारा 188 और अन्य कानूनी प्रावधानों के तहत मुंबई पुलिस कार्रवाई करेगी. संक्रमण को रोकने के लिए रैली, मोर्चा या जुलूसों पर रोक लगाई गई है. बताया गया है कि मुंबई पुलिस ने दो कारणों से शहर में धारा 144 लागू करने का फैसला किया है. पहला ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन की एक रैली तय थी. इस कार्यक्रम में पार्टी के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी समेत कई कार्यकर्ताओं के शामिल होने की उम्मीद थी. पुलिस ने ओवैसी को रैली की अनुमति नहीं दी है. दूसरा कारण, भाजपा ने संजय राउत के बयान के खिलाफ प्रदर्शन की योजना बनाई थी. बहरहाल ओमिक्रॉन के बढ़ते मामलों ने स्वास्थ्य अधिकारियों, डॉक्टर्स की चिंता बढ़ा दी है. उन्हें डर है कि कहीं ओमिक्रॉन वेरिएंट डेल्टा से भी खतरनाक साबित हो सकता और महामारी की तीसरी लहर का कारण बन सकता है.

राहुल गांधी का आरोप, भाजपा का असली नारा, छवि बचाओ, फोटो छपवाओ!''

नई दिल्ली (ईएमएस)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बेटी बचाओ,बेटी पढ़ाओ योजना के तहत 'साल 2016 से 2019 दौरान आवंटित राशि में करीब 80 प्रतिशत मीडिया प्रचार पर खर्च होने का उल्लेख करने वाली संसदीय समिति की रिपोर्ट को लेकर सरकार पर निशाना साधकर आरोप लगाया कि 'छवि बचाओ, फोटो छपवाओ' ही भाजपा का असली नारा है। उन्होंने संसदीय समिति की रिपोर्ट से जुड़ी खबर का हवाला देकर ट्वीट किया,भाजपा का असली नारा, छवि बचाओ, फोटो छपवाओ!''

गौरतलब है कि लोकसभा में गुरुवार को पेश 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' योजना के विशेष संदर्भ में शिक्षा के माध्यम से महिला सशक्तिकरण पर महिलाओं को शक्तियां प्रदान करने संबंधी भाजपा सांसद हीना गावित की अध्यक्षता वाली समिति की रिपोर्ट में कहा गया है,समिति को यह बात भी देखने को मिल रहा है कि 2016 से 2019 की अवधि के दौरान जारी की गई 446.72 करोड़ रूपये में मीडिया प्रचार पर 78.91 प्रतिशत राशि खर्च हुई, यह देखकर समिति बिल्कुल भी प्रसन्न नहीं है।योजना के तहत 2014-15 में शुरूआत के बाद से कोविड प्रभावित वर्ष को छोड़कर अब तक आवंटित राशि का राज्यों द्वारा केवल 25.15 प्रतिशत खर्च करने को ''दुखद बताकर कहा है कि यह उनके खराब '''कार्य निष्पादन'' को प्रदर्शित करता है। रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2014-15 में योजना की शुरूआत के बाद से कोविड वाले वर्ष 2019-20 और 2020-21 को छोड़कर 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' (बीबीबीपी) योजना के तहत कुल आवंटन 848 करोड़ रूपये था और उक्त अवधि में राज्यों को 622.48 करोड़ रूपये जारी किये गए थे।

देश को आगे बढ़ता देखेंगे पीएम ने सीडीएस जनरल बिपिन रावत को यूं किया याद

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर सीडीएस जनरल बिपिन रावत को याद किया। जनरल रावत को श्रद्धांजलि देते हुए पीएम ने कहाकि वह जहां भी रहेंगे, देश को आगे बढ़ता हुआ देखते रहेंगे। पीएम मोदी यूपी के सहारनपुर में सरयू नहर नेशनल प्रोजेक्ट का लोकार्पण कर रहे थे। इस दौरान लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने यह बात कही। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने चॉपर क्रैश में मारे गए सभी जवानों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहाकि सीडीएस जनरल का जाना हर भारतप्रेमी के लिए बहुत बड़ी क्षति है। उन्होंने कहाकि जनरल बिपिन रावत जितने जांबाज थे, देश की सेनाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए जितनी मेहनत करते थे, पूरा देश इसका साक्षी रहा है। पीएम ने आगे कहाकि एक सैनिक सिर्फ उसी समय तक सैनिक नहीं रहता, जितने दिन वह सेना में रहता है। उसका पूरा जीवन एक योद्धा की तरह होता है। देश की आन-बान-शान के लिए वह हर पल समर्पित होता है। पीएम मोदी ने गीता का उद्धरण देते हुए कहाकि सैनिक को न अग्नि जला सकती है और ही शस्त्र छिन्न-भिन्न कर सकता है। जनरल बिपिन सिंह रावत जहां भी होंगे, आने वाले दिनों में अपने भारत को नए संकल्पों के साथ आगे बढ़ते हुए देखेंगे। उन्होंने कहाकि देश की सीमाओं की सुरक्षा बढ़ाने का काम, तीनों सेनाओं में तालमेल बनाने का काम, तेजी से आगे बढ़ता रहेगा। भारत दुख में है, लेकिन दर्द सहते हुए भी हम न अपनी गति रोकते हैं और न ही प्रगति। भारत रुकेगा नहीं, भारत थमेगा नहीं। इसके अलावा प्रधानमंत्री मोदी ने ग्रुप कैप्टन वरुण सिंह के लिए भी प्रार्थना की। पीएम मोदी ने कहा कि ग्रुप कैप्टन वरुण सिंह की जान बचाने के लिए डॉक्टर पूरी तत्परता के साथ लगे हुए हैं। उन्होंने कहाकि मैं मां पाटेश्वरी से उनके स्वस्थ्य होने की कामना करता हूं। देश इस दुख की घड़ी में उनके परिवार के साथ खड़ा है। पीएम ने कहाकि जिन बहादुर सैनिकों ने हादसे में जान गंवाई, उन सभी के परिवार के साथ भारतवासियों की दुआएं हैं।

यूपी में बीजेपी को मिल सकती है सत्ता टक्कर में अखिलेश

नई दिल्ली (ईएमएस)।उत्तर प्रदेश में एक बार फिर भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की सरकार बन सकती है तो समाजवादी पार्टी से उसे उच्छी टक्कर मिल सकती है। एबीपी और सी वोटर के ताजा सर्वे के मुताबिक, मायावती की अगुआई वाली बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) के प्रदर्शन में सुधार होता नहीं दिख रहा है तो प्रियंका गांधी की कड़ी मेहनत के बाजवूद कांग्रेस सिंगल डिजिट में सिमट सकती है। सी वोटर के ताजा सर्वे में कहा गया है कि 403 सीट वाली यूपी विधानसभा में बीजेपी 212 से 224 सीटें जीत सकती है तो समाजवादी पार्टी 151 से 163 सीटों पर कब्जा कर सकती है। बीएसपी को 12 से 24 सीटें सीटें मिल सकती हैं। वहीं कांग्रेस महज 2-10 सीटों पर सिमट सकती है। यूपी में बीजेपी को 40 फीसदी सीटें मिल सकती हैं तो समाजवादी पार्टी को 34 फीसदी वोट मिलने की संभावना जताई गई है। बीएसपी को 13 फीसदी और कांग्रेस को 7 फीसदी वोट मिलने की संभावना हैसी वोटर के सर्वे के मुताबिक पंजाब में कांग्रेस के हाथ से आम आदमी पार्टी (ँ) सत्ता छीन सकती है। कांग्रेस को 34 फीसदी वोट मिल सकते हैं तो आम आदमी पार्टी को 38 फीसदी वोट मिलने की संभावना जताई गई है। अकाली दल गठबंधन को 20 फीसदी तो बीजेपी को 3 फीसदी वोट मिल सकते हैं। पंजाब में कांग्रेस को 39-34 सीटें मिल सकती हैं तो अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी पहली बार दिल्ली के बाहर इस राज्य में 50 से 56 सीटें जीत सकती है। अकाली दल गठबंधन को 17 से 23 सीटें और बीजेपी को 0 से 3 सीट मिल सकती है।

उत्तराखंड में कांटें की टक्कर

सी वोटर के ताजा सर्वे के मुताबिक, उत्तराखंड में बीजेपी और कांग्रेस में कांटे की टक्कर हो सकती है। बीजेपी को 33 से 39 सीटें मिल सकती है तो कांग्रेस को 29 से 35 सीटें मिलने का अनुमान लगाया गया है। अन्य के खाते में 0 से 1 सीट जा सकती है। यहां बीजेपी को 40 फीसदी वोट शेयर मिल सकता है तो कांग्रेस को 36 फीसदी वोट मिलने की संभावना है। आप को यहां 13 फीसदी वोट मिल सकते हैं।

गोवा में फिर बीजेपी को मिल सकती है सत्ता

सी वोटर के सर्वे के मुताबिक, गोवा में एक बार फिर बीजेपी को सत्ता मिल सकती है। पार्टी यहां 17 से 21 सीटें जीत सकती है तो कांग्रेस 4-8 सीटों पर सिमट सकती है। आम आदमी पार्टी को 5-9 सीटें मिल सकती हैं तो अन्य के खातों में 6 से 10 सीटें जा सकती हैं। गोवा में बीजेपी 30 फीसदी वोट शेयर पर कब्जा कर सकती है तो कांग्रेस को 20 फीसदी वोट मिल सकते हैं। आप को 24 फीसदी वोट मिलने की संभावना है।

मणिपुर में बीजेपी कांग्रेस में टक्कर

सी वोटर के सर्वे के मुताबिक, मणिपुर की 60 सदस्यों वाली विधानसभा में बीजेपी को 29 से 33 सीटें मिल सकती हैं तो कांग्रेस 23 से 27 सीटों पर कब्जा कर सकती है। एनपीएफ को 2-6 और अन्य को 0-2 सीटें मिल सकती हैं। मणिपुर में बीजेपी को 38 फीसदी वोटशेयर मिल सकता है तो कांग्रेस को 34 फीसदी सीटें मिल सकती हैं। एनपीएफ को 9 फीसदी तो अन्य को 19 फीसदी वोट मिलने की संभावना जताई गई है।

अखिलेश यादव पर तंज उनका काम फीता काटना हमारा काम परियोजना को पूरा करवानाः पीएम मोदी

नई दिल्ली (ईएमएस)।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरयू नहर राष्ट्रीय परियोजना को राष्ट्र को समर्पित की। इस दौरान पीएम मोदी ने अखिलेश यादव पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि जब मैं दिल्ली से आ रहा था तो सोच रहा था कि अभी कोई कहेगा कि इसका फीता तो उसने ही काट दिया था तो मैं उनसे कहना चाहूंगा कि उनका काम फीता काटना है और हमारा परियोजनाओं को पूरा करना है। यह डबल इंजन की सरकार का कमाल है। पांच दशक से ज्यादा काम पांच साल में हो गया है मोदी ने पहले की सरकारों पर हमला करते हुए कहा कि पहले जो सरकार में थे- वो माफिया को संरक्षण देते थे। आज योगी जी की सरकार, माफिया की सफाई में जुटी है। तभी तो यूपी के लोग कहते हैं- फर्क साफ है। उन्होंने पहले जो सरकार में थे- वो बाहुबलियों को बढ़ाते थे। आज योगी जी की सरकार गरीब, दलित, पिछड़े और आदिवासी, सभी को सशक्त करने में जुटी है। तभी तो यूपी के लोग कहते हैं- फर्क साफ है। पीएम ने कहा कि सरयू नहर परियोजना में जितना काम 5 दशक में हो पाया था, उससे ज्यादा काम हमने 5 साल से पहले करके दिखाया है। यही डबल इंजन की सरकार है। यही डबल इंजन की सरकार के काम की रफ्तार है। पीएम मोदी ने कहा कि पहले की सरकारों पर हमला करते हुए कहा कि जब इस परियोजना पर काम शुरू हुआ था, तो इसकी लागत 100 करोड़ रुपए से भी कम थी। आज ये लगभग 10 हज़ार करोड़ रुपए खर्च करने के बाद पूरी हुई है। पहले की सरकारों की लापरवाही की 100 गुना ज्यादा कीमत देश को चुकानी पड़ी है। उन्होंने कहा कि सरकारी पैसा है तो मुझे क्या, ये सोच देश के संतुलित और संपूर्ण विकास में सबसे बड़ी रुकावट बन गई थी। इसी सोच ने सरयू नहर परियोजना को लटकाया भी, भटकाया भी। आज से करीब-करीब 50 साल पहले इस पर काम शुरू हुआ था और आज इसका काम पूरा हुआ है।

भाजपा गैर राजनीतिक मंच का इस्तेमाल सियासी मकसद पूरा करने के लिए कर रही है - अखिलेश यादव

नई दिल्ली (ईएमएस)। यूपी के सरकारी समारोह में सरयू नहर परियोजना के उद्घाटन कार्यक्रम में पीएम मोदी द्वारा राजनीतिक हमला किए जाने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि बीजेपी गैर राजनीतिक मंच का इस्तेमाल सियासी मकसद पूरा करने के लिए कर रही है। अखिलेश ने कहा कि परियोजनाओं के उद्घाटन के लिए सरकारी बसों में भर-भर कर भीड़ को जुटाया जा रहा है। लेकिन पीएम मोदी और सीएम योगी आदित्यनात इन्हीं मंचों से राजनीतिक हमले कर रहे हैं।

अखिलेश ने सवाल किया कि क्या पहले ऐसे कभी किसी राजनीतिक दल ने ऐसे सरकारी बसों का इस्तेमाल किया। क्या किसी जिलाधिकारी ने पत्र लिखकर बसों की मांग की और लोगों को इकट्ठा किया। ये राजनीतिक रैलियां हैं। क्या बीजेपी कोई सियासी रैली अभी तक करने में कामयाब हो पाई है क्या ? अखिलेश ने कहा है कि समाजवादी पार्टी की रैलियों में भीड़ अपनेआप आ रही है। जबकि बीजेपी की रैलियों में भीड़ को सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग करके जुटाया जा रहा है।

इससे पहले पीएम मोदी ने शनिवार को 9,800 करोड़ रुपये की सरयू नहर परियोजना को राष्ट्र को समर्पित किया। इस दौरान उन्होंने उत्तर प्रदेश में बीजेपी के प्रतिद्वंद्वी दलों पर कटाक्ष करते हुए कहा कि वह इंतजार कर रहे थे कि कब कोई इस परियोजना का क्रेडिट लेने के लिए दावा करेगा। प्रधानमंत्री मोदी का यह कमेंट समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव के उस बयान के बाद आया, जिसमें उन्होंने दावा किया था यह योजना सपा सरकार के समय में ही तीन चौथाई बन चुकी थी।

प्रधानमंत्री ने बलरामपुर में कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, ठजब मैं आज दिल्ली से चला तो सुबह से इंतजार कर रहा था कि कब कोई आएगा, कहेगा कि मोदी जी इस योजना का फीता तो हमने काटा था, ये योजना तो हमने शुरू की थी। कुछ लोग हैं जिनकी आदत है ऐसा कहने की, हो सकता है कि बचपन में इस योजना का फीता उन्होंने ही काटा हो।ठ

उन्होंने कहा कि सरयू नहर परियोजना में जितना काम 5 दशक में हो पाया था, उससे ज्यादा काम हमने 5 साल से पहले करके दिखाया है। यही डबल इंजन की सरकार है। यही डबल इंजन की सरकार के काम की रफ्तार है।

इससे पहले, आज सुबह समाजवादी पार्टी के सुप्रीमो अखिलेश यादव ने ट्वीट कर कहा, ठसपा के समय तीन चौथाई बन चुकी 'सरयू राष्ट्रीय परियोजना' के शेष बचे काम को पूर्ण करने में उप्र भाजपा सरकार ने पांच साल लगा दिए।

हर महीने महिलाओं को 5 हजार रुपए देंगे ममता की पार्टी का गोवा में बड़ा चुनावी वादा

नई दिल्ली (ईएमएस)। तृणमूल कांग्रेस ने गोवा में महिलाओं के लिए डायरेक्ट कैश ट्रांसफर योजना का वादा किया और कहा कि अगले साल फरवरी में होने वाले विधानसभा चुनाव के बाद पार्टी अगर सत्ता में आती है तो इस योजना को लागू किया जाएगा। इसके तहत महिलाओं को पांच हजार रुपए दिए जाएंगे। तृणमूल नेता महुआ मोइत्रा ने बताया कि इस योजना का नाम 'गृह लक्ष्मी' रख गया है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक घर की एक महिला को हर महीने 5 हजार रुपए सीधे उनके खाते में हस्तांतरित किए जाएंगे ताकि महंगाई से निपटने में उन्हें मदद मिले। उन्होंने बताया कि उनकी पार्टी जल्दी ही योजना के लाभुकों के बीच कार्ड का वितरण शुरू करेगी। इस कार्ड में एक पहचान संख्या होगी और तृणमूल कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद इसका कार्यान्वयन शुरू हो जाएगा। ममता बनर्जी की अगुवाई वाली पार्टी ने घोषणा की है कि यह प्रदेश में सभी 40 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी। तृणमूल कांग्रेस की गोवा की सह प्रभारी महुआ ने कहा, ''प्रदेश के साढे तीन लाख घरों की महिलाओं को गृहलक्ष्मी योजना में शामिल किया जाएगा और अधिकतम आय की व्यवस्था इस योजना पर लागू नहीं होगी जो भाजपा सरकार की मौजूदा गृह आधार योजना में शामिल है। मोइत्रा कहा कि भारतीय जनता पार्टी की मौजूदा योजना के तहत गोवा में महिलाओं को 1500 रुपए प्रति महीना दिया जा रहा है और इसमें केवल डेढ़ लाख घरों को कवर किया गया है। इससे पहले आम आदमी पार्टी ने घोषणा की थी कि अगर विधानसभा चुनाव के बाद पार्टी सत्ता में आती है तो महिलाओं को मिलने वाली इस राशि में एक हजार रुपये की बढोत्तरी कर इसे 2500 रुपये कर दिया जाएगा। शुक्रवार को कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने पार्टी के सत्ता में आने पर महिलाओं को नौकरियों में 30 फीसदी आरक्षण देने का वादा किया है।

80 करोड़ से अधिक लोगों को मुफ्त राशन होली के बाद तक

पीएमओ की ओर से दी गई जानकारी

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत मुफ्त राशन वितरण को होली से आगे बढ़ाया गया है। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की ओर से इसकी जानकारी दी गई।पीएमओ की ओर से जारी बयान में पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा, कोरोना काल में हमारी सरकार ने पूरी ईमानदारी से प्रयास किया है कि कोई गरीब भूखा ना सोए। इसकारण पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत मिल रहे मुफ्त राशन के अभियान को होली से आगे तक बढ़ा दिया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बीते 24 नंवबर को हुई कैबिनेट की बैठक में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना यानी पीएमजीकेएवाई को मार्च 2022 तक बढ़ाने की मंजूरी दी गई थी, जिसके मुताबिक इस योजना के तहत मार्च 2022 तक लाभार्थियों को मुफ्त राशन मिलेगा।

पीएमजीकेएवाई के तहत 80 करोड़ से अधिक लोगों को प्रति माह 5 किलो मुफ्त गेहूं/चावल के साथ-साथ 1 किलो मुफ्त साबुत चना प्रत्येक परिवार को मिलाता है।पीएमजीकेएवाई के तहत सरकार राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून (एनएफएसए) के तहत 80 करोड़ राशन कार्डधारकों को मुफ्त राशन की आपूर्ति करती है। राशन की दुकानों के माध्यम से उन्हें सब्सिडी वाले अनाज के अतिरिक्त मुफ्त राशन दिया जाता है।पीएमजीकेएवाई की घोषणा मार्च, 2020 में कोविड-19 के कारण उत्पन्न संकट को दूर करने के लिए की गई थी।प्रारंभ में, यह योजना अप्रैल-जून 2020 के तीन माह की अवधि के लिए शुरू की गई थी, लेकिन बाद में संकट के जारी रहने पर योजना का विस्तार पांच और माह (जुलाई-नवंबर 2020) तक के लिए किया गया था।

वहीं कोरोना की दूसरी लहर के शुरू होने पर पीएमजीकेएवाई को फिर से दो महीने (मई-जून2021) के लिए लागू किया गया और बाद इसका पांच महीने (जुलाई-नवंबर 2021) तक विस्तार किया गया।फिर से इस योजना का विस्तार मार्च 2022 तक कर दिया गया है।

बिहार में नक्सलियों की साज़िश नाकाम

जन हितैषी

स्टार्टअप की उम्मीदें कमजोर

अर्थव्यवस्था को गति देने और देश में बेरोजगारी दूर करने के मकसद से छह साल पहले नवोन्मेष की नई संकल्पना के साथ उद्यम (स्टार्टअप) शुरू करने की जो पहल शुरू हुई थी, उससे बड़ी उम्मीदें जगी थीं। लगा था कि पढ़े-लिखे नौजवान नई सोच के साथ नया काम शुरू करेंगे और इससे विकास का नया मार्ग प्रशस्त होगा। लेकिन तब किसी ने सोचा भी नहीं था कि ज्यादातर ऐसे नए कारोबारों का बीच में ही दम फूलने लगेगा। लाखों नौजवानों ने अपनी सकारात्मक ऊर्जा और पूंजी लगाते हुए छोटी-छोटी कंपनियां बनाईं और काम शुरू किया। लेकिन आज इनमें से ज्यादातर उद्यमी हताश होकर काम बंद कर चुके हैं। फिर, जब से कोरोना महामारी के कारण पैदा हुए हालात में तो इन नए उद्यमियों पर तो जैसे पहाड़ टूट गया। जिन नए उद्यमों की बदौलत अर्थव्यवस्था को एक सहारा मिलने की उम्मीद की जा रही थी, वही उद्यम अब दिन दिन गिन रहे हैं। संकट की वजह से हाल में कई उद्यमों को अपने यहां कर्मचारियों की छंटनी के लिए मजबूर होना पड़ा है। इनमें कई कंपनियां तो ऐसी भी हैं जिन्होंने बीते एक साल में दस करोड़ डॉलर की पूंजी देशी-विदेशी निवेशकों से जुटाई है। फिर भी एक मोटे अनुमान के मुताबिक देश में 2004 के बाद से खुली एक हजार से ज्यादा कंपनियों में से दो सौ कंपनियों को तो अब कोई मदद नहीं मिल रही है और तीस से पचास कंपनियां कर्ज में डूब कर दिवालिया हो चुकी हैं। वर्ष 2016 से ऐसे उद्यमों (स्टार्टअप) के कामकाज का लेखाजोखा रखने वाली शोध कंपनी ट्रैक्सन टेक्नोलॉजी ने तो बंद हो रही कंपनियों के लिए 'डेडपूलठ जैसे शब्द का इस्तेमाल शुरू कर दिया है। इस संगठन के कहना है कि बीते चार साल में देश के भीतर शुरू हुई छोटी-बड़ी करीब 14 हजार कंपनियां घाटे, बुरे प्रबंधन और मांग में कमी के कारण बंद कर दी गई हैं। इनमें से ढाई सौ कंपनियां बीते दो महीने में बंद हुई हैं और आने वाले महीनों में इससे भी बुरा वक्त इनकी किस्मत में है। कहने को कोविड-19 को नया काम शुरू करने वाली कंपनियों के लिए इतिहास का सबसे बुरा दौर कहा जा रहा है। लेकिन सच्चाई यह है कि इनके लिए शुरुआती दौर को छोड़ कर अच्छा समय तो कभी आया भी नहीं। अभी भी जो स्टार्टअप कंपनियां बची हुई हैं, उनमें से अधिकतर के संस्थापक-संचालक यह उम्मीद कर रहे हैं कि उनका अधिग्रहण कर लिया जाएगा और किसी न किसी तरह से और पूंजी जुटा कर उन्हें तब तक चलाने की कोशिश की जाएगी, जब तक कि वे लाभ की स्थिति में नहीं आ जातीं। अगर आइटी स्टार्टअप कंपनियों की बात करें, तो नौकरी छोड़ कर इन्हें शुरू करने वाले आइटी इंजीनियरों ने पाया कि जब तक ये किसी सेवा या उत्पाद से जुड़े नए विचार को मूर्त रूप लेकर बाजार में उतरती हैं, तब उस उत्पाद या सेवा की मांग में तब्दीलियां आ जाती हैं। इससे साबित होता है कि कम संसाधन और छोटे स्तर पर कामकाज शुरू करने पर ये कंपनियां भविष्य में पैदा होने वाली मांग का सही-सही अनुमान नहीं लगा पाती हैं और पिछड़ जाती हैं। इसके अलावा यदि बड़ी कंपनियां उन्हीं के समान सेवा और उत्पाद बाजार में उतार देती हैं, तो प्रचार आदि सहूलियतों के अभाव में ऐसे उद्यम अपने उत्पाद या सेवा के बारे में उपभोक्ताओं को न तो असरदार ढंग से बता पाते हैं और न ही अपने उत्पाद खरीदने के लिए उन्हें राजी कर पाते हैं। कमाई और विकास करने के मामले में पिछड़ने की वजह से उनके संस्थापकों को वित्तीय मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। इसलिए या तो स्टार्टअप अधिग्रहण की प्रक्रिया के तहत खुद को बड़ी कंपनियों के हवाले कर देते हैं या काम ही बंद कर देते हैं। खुद उद्यम खड़े करने वाले युवाओं को सोचना होगा कि कोई भी कंपनी अंततः कारोबारी फायदे के लिए बनाई जाती है। अगर वे इस एक मकसद के साथ सारा कौशल इसमें झोंक दें तो उन्हें सफल होने से रोका नहीं जा सकेगा। एक अच्छा संकेत यह है कि हमारे देश में थोड़ा-बहुत संपन्न हुए मध्यवर्ग ने अपने बच्चों के सपनों को साकार करने के लिए स्टार्टअप की बढ़ने का हौसला दिखाया है। शर्त यही है कि सरकार और समाज नए संकल्पों के साथ सामने आ रहे युवाओं का उत्साहवर्धन करें और युवा यह मान कर उद्यम खड़े करें कि यह उनके जीवन-मरण का प्रश्न है, यानी यदि वे इसमें नाकाम हुए हो, तो वापसी का कोई विकल्प उनके लिए नहीं बचा है।

किसानों की हित-रक्षा जरुरी

लगभग साल भर से चल रहा किसान आंदोलन अब स्थगित हो गया हैं, इस पर किसान तो खुश हैं ही, सरकार उनसे भी ज्यादा खुश है। सरकार को यह भनक लग गई थी कि यदि यह आंदोलन इसी तरह चलता रहा तो उत्तरप्रदेश, हरयाणा, पंजाब और उत्तराखंड के चुनावों में भाजपा को भारी धक्का लग सकता है। यदि उत्तर भारत के इन प्रांतीय चुनावों में भाजपा मात खा जाए तो सबको पता है कि दिल्ली में उसकी गद्दी भी हिल सकती है। भाजपा का यह भय स्वाभाविक था लेकिन हम यह भी न भूलें कि इस किसान आंदोलन को आम जनता का समर्थन नहीं के बराबर था। वास्तव में यह आंदोलन उक्त तीन-चार प्रदेशों के मालदार किसानों का था, जो गेहूं और चावल की सरकारी खरीद पर मालदार बने बैठे हैं। इन किसानों को छोटे और गरीब किसानों के समर्थन या सहानुभूति का मिलना स्वाभाविक था लेकिन यह मानना पड़ेगा कि किसान नेताओं ने इस आंदोलन को अहिंसक बनाए रखा और इतने लंबे समय तक चलाए रखा। नरेंद्र मोदी की मजबूत सरकार को झुकने के लिए मजबूर कर दिया। यह वास्तव में भारतीय लोकतंत्र की विजय है। इस आंदोलन के खत्म होने से दिल्ली, हरयाणा और पंजाब की जनता को भी बड़ी राहत मिल रही है। इन प्रदेशों के सीमांत पर डटे तंबुओं ने कई प्रमुख रास्ते रोक दिए थे। सरकार ने किसानों की मांगों को मोटे तौर पर स्वीकार कर ही लिया है। उसने तीनों कानून वापस ले लिए हैं। मृत किसानों को मुआवजा देना, पराली जलाने पर आपत्ति नहीं करना, बिजली की कीमत पर पुनर्विचार करना, उन पर लगे मुकदमे वापस करना आदि मांगें भी सरकार ने मान ली हैं। सबसे कठिन मुद्दा फ्र- सरकारी समर्थन मूल्य का। इस पर सरकार ने कमेटी बना दी है, जिसमें किसानों का भी समुचित प्रतिनिधित्व रहेगा। यह बहुत ही उलझा हुआ मुद्दा है। अभी तो सरकार बढ़ी हुई कीमतों पर गेहूं और चावल खरीदने का वादा कर रही है लेकिन लाखों टन अनाज सरकारी भंडारों में सड़ता रहता है और करदाताओं के अरबों रु. हर साल बर्बाद होते हैं। यह ऐसा मुद्दा है, जिस पर मालदार किसानों से दो-टूक बात की जानी चाहिए। ताकि उनका नुकसान न हो और सरकार के अरबों रु. भी बर्बाद न हों। सरकार को सबसे ज्यादा उन 80-90 प्रतिशत किसानों की हालत बेहतर बनाने पर ध्यान देना चाहिए, जो अपनी खेती के दम पर किसी तरह जिंदा रहते हैं। यह तभी हो सकता है, जबकि सरकार इन किसानों के साथ सीधे संवाद का कोई नया रास्ता निकाले। यह सवाद निर्भीक और किसान-हितकारी तभी हो सकता है, जबकि सरकार के सिर पर प्रांतीय चुनावों के बादल न मंडरा रहे हों। विपक्ष की मजबूरी है कि चुनाव की वेला में हर मुद्दे पर वह सरकार के विरोध को जमकर उकसाए लेकिन विपक्षियों से भी आशा की जाती है कि वे अपनी तात्कालिक लाभ-हानि से अलग हटकर देश के 80-90 प्रतिशत किसानों के हित की बात सोचेंगे। (लेखक- डॉ. वेदप्रताप वैदिक / ईएमएस)

दैनिक पंचांग

12 दिसम्बर 2021 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

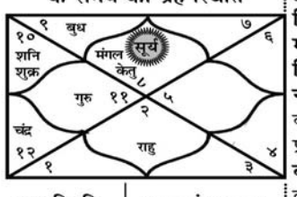

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृश्चिक में	धनु	07.21 बजे से
चंद्र	मीन में	मकर	09.26 बजे से
मंगल	वृश्चिक में	कुंभ	11.12 बजे से
बुध	धनु में	मीन	12.45 बजे से
गुरु	कुंभ में	मेष	14.16 बजे से
शुक्र	मकर में	वृष	15.56 बजे से
शनि	मकर में	मिथुन	17.54 बजे से
राहु	वृष में	कर्क	20.07 बजे से
केतु	वृश्चिक में	सिंह	22.23 बजे से
राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक		कन्या	00.35 बजे से
		तुला	02.46 बजे से
		वृश्चिक	05.01 ब.से

रविवार 2021 वर्ष का 346 वां दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** हेमन्त।
विक्रम संवत् 2078 **शक संवत्** 1943
मास मृगशीर्ष **पक्ष** शुक्ल
तिथि नवमी 20.03 बजे को समाप्त।
नक्षत्र उत्तराभाद्रपदा 00.00 बजे रात्र को समाप्त। **योग** व्यतीपात 05.45 बजे प्रातः को समाप्त।
करण बालव 07.33 बजे तदनन्तर कौलव 20.03 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 07.7 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 23° 04'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1871095
जूलियन दिन 2459560.5
कलियुग संवत् 5123
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2547
हिजरी सन् 1443
महीना जमादि उलावल
तारीख 07

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
उद्वेग	05.56	से	07.23 बजे तक	शुभ	05.36	से	07.09 बजे तक
चर	07.23	से	08.51 बजे तक	अमृत	07.09	से	08.41 बजे तक
लाभ	08.51	से	10.18 बजे तक	चर	08.41	से	10.14 बजे तक
अमृत	10.18	से	11.46 बजे तक	रोग	10.14	से	11.46 बजे तक
काल	11.46	से	01.14 बजे तक	काल	11.46	से	01.19 बजे तक
शुभ	01.14	से	02.41 बजे तक	लाभ	01.19	से	02.51 बजे तक
रोग	02.41	से	04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51	से	04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09	से	05.36 बजे तक	शुभ	04.24	से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

ममता ने कांग्रेस को दिखाया आईना

पिछले दो लोकसभा चुनावों ने जो राजनीतिक दृश्य अवतरित किए, उसके कारण कांग्रेस का राजनीतिक अस्तित्व कोई भी मानने के लिए तैयार नहीं है। हालांकि इस स्थिति से कांग्रेस के नेतृत्वकर्ता इत्तेफाक नहीं रखते। क्योंकि वह इस बात को मानने के लिए तैयार ही नहीं है कि वह आज कमजोर हो चुकी है। क्षेत्रीय दल कांग्रेस से अच्छी स्थिति में हैं। इसी कारण क्षेत्रीय दल की एक मुखिया ममता बनर्जी ने कांग्रेस पर कमजोरी का टैग लगाते हुए आईना दिखाया है, जिसमें कांग्रेस की वर्तमान हालत दृष्टिगोचर हो रही है।

वर्तमान राजनीति का एक मात्र उद्देश्य सत्ता प्राप्त करने तक ही सीमित होकर रह गया है। इस कारण लोकतांत्रिक तरीके से चुनाव जीतकर आए राजनीतिक दल जब सत्ता के सिंहासन पर विराजमान होता है तो उसे सरकार के तौर पर देखने की वृत्ति लगभग समाप्त ही हो गई है, इसीलिए आज विपक्ष, सरकार को भी एक राजनीतिक दल के तौर पर देखने की मानसिकता बनाकर ही राजनीति करने पर उतारू होता जा रहा है। केवल राजनीतिक फलक प्रदर्शित होना ही राजनीति नहीं कही जा सकती, इसके लिए राष्ट्रीय नीति का परिपालन होना भी आवश्यक है। अच्छी बातों का खुले मन से समर्थन करने की वृति से देश में सकारात्मक अवधारणा निर्मित होती है। यह बात सही है कि आज देश ही नहीं, बल्कि विश्व के कई देशों में हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी राजनीति के केन्द्र बिन्दु हैं। भारत की पूरी राजनीति उनके आसपास ही घूमती दिखाई देती है। चाहे सत्ता पक्ष हो या फिर विपक्ष, बिना मोदी के सबकी राजनीति अधूरी सी लगती है। वर्तमान में विपक्षी दलों की राजनीति का केवल एक ही उद्देश्य रह गया है, कैसे भी सत्ता प्राप्त की जाए। इसके लिए भले ही झूंठ बोलना पड़े। पिछले लोकसभा के दौरान ऐसा ही कुछ देखने को मिला, जिसमें एक प्रकरण में राहुल गांधी को माफी भी मांगनी पड़ी। इस प्रकार की राजनीति करना किसी भी प्रकार से उचित नहीं है।

पश्चिम बंगाल में तीसरी बार सत्ता संभालने के बाद यह तय हो गया था कि ममता बनर्जी विपक्ष के लिए तुरुप का इक्का साबित हो सकती हैं, लेकिन बहुत समय निकल जाने के बाद जब विपक्ष ममता बनर्जी के पीछे चलने के लिए तैयार होता दिखाई नहीं दिया, तब स्वयं ममता बनर्जी ने ही कांग्रेस को अप्रासंगिक निरूपित करते हुए अपने आपको विपक्ष के नेता के तौर पर प्रस्तुत करना प्रारंभ कर दिया है। हालांकि इसे राजनीतिक महत्वाकांक्षा का प्रकटीकरण ही माना जाएगा। क्योंकि ममता बनर्जी स्वयं इस तथ्य से परिचित हैं कि तृणमूल कांग्रेस पार्टी का स्वरूप फिलहाल क्षेत्रीय दल की श्रेणी में ही माना जाता है, ऐसे में ममता बनर्जी का यह सपना देखना कि वह केवल अपनी ही पार्टी के सहारे राष्ट्रीय राजनीति का चेहरा बन सकती हैं, कोरी कल्पना ही कहा जाएगा।

वर्तमान में राजनीतिक विश्लेषकों के लिए यह मानने के लिए कोई परेशानी नहीं है कि कांग्रेस सहित कोई भी राजनीतिक दल राष्ट्रीय स्तर पर विकल्प बनने की स्थिति में नहीं है। इसके पीछे कांग्रेस की नीतियों को जिम्मेदार माना जा सकता है। क्योंकि जहां एक ओर कांग्रेस ने अपने आपको राजनीतिक रूप से कमजोर किया है, वहीं विपक्ष को एकजुट करने में भी रोड़ा अटकाने का काम भी किया है। इसलिए यह स्पष्ट तौर पर स्वीकार किया जा सकता है कि कांग्रेस ने अपने आपको तो कमजोर किया ही है, साथ ही विपक्ष को भी कमजोर कर दिया है। राजनीतिक अस्तित्व की दृष्टि से देखा जाए तो यह स्पष्ट ही परिलक्षित होता है कि केवल राज्यों में प्रभाव रखने वाले क्षेत्रीय राजनीतिक दल कांग्रेस से बेहतर स्थिति में हैं। उनका अपना राजनीतिक अस्तित्व बरकरार है। कई राज्यों में कांग्रेस इन क्षेत्रीय दलों का हाथ पकड़कर अपनी डूबती नैया को बचाने के लिए तिनके का सहारा तलाश करती हुई दिखाई देती है। एक समय सम्पूर्ण उत्तरप्रदेश में अपना प्रभाव रखने वाली कांग्रेस की स्थिति इतनी खराब हो चुकी है कि वह अकेले चल ही नहीं सकती है। कांग्रेस की स्थिति स्वयं की खड़ी की हुई हैं। इसलिए आज ममता बनर्जी द्वारा कांग्रेस की भूमिका को अप्रासंगिक करार देना समय के हिसाब से सही ही है। अब ऐसा लग रहा है कि तृणमूल कांग्रेस की मुखिया अपने आपको विपक्ष के नेता के तौर पर प्रस्तुत करके एक नया खेल खेल रही हैं। हालांकि इसके संकेत उन्होंने अपने शपथ ग्रहण समारोह में ही दे दिए थे, लेकिन वर्तमान राजनीति को देखकर ऐसा ही लग रहा है कि कोई भी क्षेत्रीय दल किसी के पीछे जाने की भूमिका में नहीं दिख रहा।

आज ममता बनर्जी ने कांग्रेस को आइना दिखाया है, जिसमें कांग्रेस की स्थिति साफ दिखाई दे रही है, लेकिन क्या कांग्रेस इसको स्वीकार कर पाएगी या पहले की तरह ही बिना आत्म मंथन के ही वर्तमान शैली में कार्य करती रहेगी। हम जानते ही हैं कि परदे के पीछे से पूरी कांग्रेस को चलाने वाले राहुल गांधी वर्तमान राजनीति के लिए पूरी तरह से अनफिट हो गए हैं, इसी प्रकार करिश्माई नेतृत्व के तौर पर राजनीति में पदार्पित हुई प्रियंका वाड्रा को भी जिस अपेक्षा के साथ स्थापित करने का प्रयास किया गया, वह भी असफल प्रयोग प्रमाणित हो चुका है।

भविष्य में होने वाले चुनावों के लिए विपक्षी राजनीतिक दल अपने आपको किस प्रकार से तैयार करेंगे, यह कहना फिलहाल जल्दबाजी ही होगी, लेकिन इतना तय है कि किसी एक दल का इतना राजनीतिक प्रभाव नहीं है कि वह राष्ट्रीय विकल्प के रूप में स्थापित हो जाए। इसलिए स्वाभाविक रूप से यही कहा जाएगा कि आने वाले समय में फिर से गठबंधन की कवायद भी होगी। जिसमें सभी दल अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षा को प्रदर्शित करेंगे ही। कांग्रेस की स्थिति भी कुछ खास नहीं है, इसलिए वह भी ऐसा ही प्रयास करेगी, लेकिन सवाल यह है कि कांग्रेस की सुनेगा कौन? जब कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अपने ही नेताओं की अनदेखी करने की राजनीति कर रहे हैं, तब दूसरे से कैसे आशा की जा सकती है। हम जानते हैं कि कांग्रेस के दिग्गज नेता अपने नेतृत्व पर सवाल खड़े कर चुके हैं और कई प्रभावी राजनेता कांग्रेस छोड़कर जा चुके हैं। ऐसे में अब कांग्रेस से किसी चमत्कार की आशा करना अंधेरे में सुई ढूंढने जैसा ही कहा जाएगा। हालांकि यह राजनीति है, कब कैसी तसवीर बन जाए, कहा नहीं जा सकता। (लेखक- सुरेश हिन्दुस्थानी / ईएमएस)

क्या वायु प्रदूषण की 'स्थाई चादर' लपेट चुका है 'राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र ' दिल्ली

अन्य विकासशील देशों की ही तरह भारत भी निरंतर वायु प्रदूषण की चपेट में रहने वाले देशों की सूची में अपना नाम शामिल करा चुका है। ख़ास तौर पर दिल्ली व उसके आस पास का राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र तो लगभग पूरा वर्ष और चौबीस घंटे घोर प्रदूषण की चपेट में रहने लगा है। दिल्ली में हवाई जहाज़ से बाहर निकलते ही ऐसा महसूस होने लगता है कि आप किसी ज़हरीली गैस चैम्बर में प्रवेश कर चुके हैं। गत तीन दशकों से हालांकि एन सी आर में फैले इस प्रदूषण के लिये आँख मूँद कर हरियाणा -पंजाब के किसानों को ज़िम्मेदार ठहरा दिया जाता था। बताया जाता था कि फ़सल काटने के बाद खेतों में बची पराली को जलाने से फैलने वाला धुआंयुक्त प्रदूषण दिल्ली परिक्षेत्र को अपनी आग़ोश में लेता है। केंद्र सरकार ने भी पूर्व में यही दावा था कि वायु प्रदूषण बढ़ाने में पराली का योगदान 25-30ज्ञ है। परन्तु पिछले दिनों सर्वोच्च न्यायालय में इसी संबंध में चल रही एक सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार का ताज़ा दावा था कि प्रदूषण फैलाने में पराली का योगदान मात्र 10 प्रतिशत है। परन्तु साथ ही अपने लिखित हलफ़नामे में केंद्र ने यह दावा भी किया कि प्रदूषण में पराली का योगदान मात्र 4ज्ञ ही है। देश की सर्वोच्च अदालत केंद्र के शपथ पत्र के अनुसार यह भी कह चुकी है कि 75 प्रतिशत वायु प्रदूषण उद्योग, धूल तथा परिवहन जैसे तीन मुख्य कारण के चलते है। जहां तक किसानों को प्रदूषण के लिये ज़िम्मेदार ठहराने का प्रश्न है तो इसे यूँ भी समझा जा सकता है कि किसान अपनी फ़सल का बचा हुआ कचरा अर्थात पराली आदि तो वर्ष में एक ही दो बार जलाते हैं जबकि दिल्ली का राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र तो लगभग पूरे वर्ष ही चौबीसों घंटे प्रदूषण की गिरफ़्त में रहता है ?

दिल्ली,फ़रीदाबाद,गुड़गांव,नोएडा,गाज़ियाबाद,सोनीपत आदि राजधानी के किसी भी निकटवर्ती क्षेत्र में चले जाइये,हर जगह वही गैस चैंबर जैसे हालात नज़र आते हैं। जहां आम लोग अपने मकानों के दरवाज़े व खिड़कियां इसलिये खोलते हैं ताकि ताज़ी व स्वच्छ हवा का घरों में प्रवेश हो सके वहीं एन सी आर की स्थिति ठीक इसके विपरीत हो चुकी है। घरों के दरवाज़े व खिड़कियां खुलते ही ज़हरीली,रसायन युक्त प्रदूषित हवा इन घरों में प्रवेश कर जाती है। गगनचुंबी रिहाइशी फ़्लैट्स की किसी भी मंज़िल पर खिड़की-दरवाज़ा खुलते ही धुंआ युक्त गैस फ़्लैट्स के भीतर प्रवेश करती है। गोया राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र का रहने वाला कोई भी व्यक्ति ताज़ी व प्रदूषण मुक्त हवा का भी मोहताज बनकर रह गया है। इन इलाक़ों में लाखों वाहन चौबीस घंटे सड़कों पर दौड़ते हैं। हज़ारों छोटे बड़े उद्योग अपनी चिमनियों से धुआं उगलते हैं। एन सी आर क्षेत्र में बसने वाले लाखों कबाड़ी रोज़ाना सारा दिन और प्रायः रात भर लोहे-तांबे-पीतल की तार आदि निकालने हेतु टायरों तथा बिजली व फ़ोन के तारों आदि में आग लगाते रहते हैं। सुनाई तो यह भी देता है कि पुलिस व प्रशासन की मिली भगत से कई जगह प्रदूषण फैलाने की खुली छूट दी जाती है। स्वछ भारत अभियान के अंतर्गत घरों से कूड़ा संग्रह करने की योजना के बावजूद अभी भी अनेक लोग यहाँ तक कि प्रायः स्वयं सफ़ाई कर्मी भी कूड़े की ढेरियां बनाकर उसे आग के हवाले कर देते हैं। एन सी आर क्षेत्र में पड़ने वाले ईंटों के भट्टे भी यहां का प्रदूषण बढ़ाने में अहम भूमिका निभाते हैं।

प्रतिदिन दिल्ली व हिण्डन एयरबेस से चढ़ने व उतरने वाले हज़ारों विमानों द्वारा दिन रात छोड़े जाने वाले ज़हरीले गैसयुक्त प्रदूषण की कोई चर्चा नहीं होती। अति विशिष्ट तथा विशिष्ट व्यक्तियों के क़ाफ़िले में आगे पीछे दौड़ने वाले वाहनों के प्रदूषण फैलाने का ज़िक्र कहीं नहीं सुनाई देता। चार्टर्ड विमानों से प्रदूषण नहीं बल्कि शायद सुगन्धित स्वच्छ ऑक्सीजन का स्प्रे होता होगा तभी इसके प्रदूषण की चर्चा कभी नहीं सुनी गयी। प्रतिदिन लाखों नये वाहन सड़कों पर निकलकर प्रदूषण नहीं फैलाते बल्कि किसानों के दस वर्ष पुराने गिनती के ट्रैक्टर प्रदूषण फैलाने के असली ज़िम्मेदार हैं ? पिछले दिनों देश के इतिहास में पहली बार दिल्ली को केवल वायु प्रदूषण के चलते लॉक डाउन का सामना करना पड़ा। सभी स्कूल कॉलेज बंद कर दिये गए थे। दिल्ली सरकार का सुझाव था कि दिल्ली में सप्ताह में दो दिन प्रदूषण लॉकडाउन लगाया जा सकता है। परन्तु अदालत का मत था कि अकेले दिल्ली को ही लॉक करने से कोई लाभ नहीं होगा। दिल्ली के साथ-साथ नोएडा, फ़रीदाबाद, ग़ाज़ियाबाद, ग़ुरुग्राम और सोनीपत में भी इस नियम का पालन करना होगा। अदालत का मत था कि -' यह व्यावहारिक रूप से संभव नहीं है। एक बड़े इलाक़े को बिना किसी ठोस वजह के बंद नहीं किया जा सकता। इसलिए सरकारों को लॉक डाउन के अतिरिक्त भी कुछ अन्य वैकल्पिक उपायों पर भी सोचना होगा।'

मानव जनित प्रदूषण समस्या ने ही आज दिल्ली परिक्षेत्र की यह स्थिति कर दी है कि लोग कार पूल पर विचार करने लगे हैं। सरकार को इसी स्थिति से निपटने के लिये कभी कभी वाहनों हेतु सम विषम (ऑड-इवेन) की नीति लागू करनी पड़ती है। कोरोना से रक्षा हेतु लगाया जाने वाला मास्क लगता है प्रदूषण के चलते अब इंसानी ज़रूरत का स्थान लेने वाला है। साँस की बीमारी,दमा,फेफड़े की प्रदूषण जनित तमाम बीमारियों में इज़ाफ़ा होता जा रहा है। छोटे बच्चे और बुज़ुर्ग इसकी चपेट में कुछ ज़्यादा ही आ रहे हैं। निरंतर बढ़ते जा रहे शहरीकरण के चलते हरित क्षेत्र घटता जा रहा है जोकि मानव जीवन के लिये ऑक्सीजन देने व कॉर्बन डाई ऑक्साइड जैसी प्रदूषित गैस को ग्रहण करने का सबसे प्रमुख स्रोत है। बहरहाल,पिछले दिनों सर्वोच्च न्यायालय में इस विषय पर हुई बहस व सरकार द्वारा रखे गये पक्ष के बाद किसानों को दिल्ली परिक्षेत्र का प्रदूषण बढ़ाने का ज़िम्मेदार ठहराने की साज़िश का तो पटाक्षेप ज़रूर हो गया है परन्तु इसके बाद अब यह सवाल और भी प्रबल हो चुका है कि क्या 'राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र ' दिल्ली,वायु प्रदूषण की स्थाई चादर लपेट चुका है। (लेखिका- निर्मल रानी / ईएमएस)

आज का इतिहास 12 दिसंबर

1758 अंग्रेजों से मद्रास का किला छीन लिया.
1882 बंगला भाषा का उपन्यास आनंदमठ प्रकाशित हुआ.
1896 जी. मार्कोनी ने लंदन में वायरलेस का पहला प्रदर्शन किया.
1911 ब्रिटिश नरेश जार्ज पंचम और रानी मेरी ने दिल्ली दरबार लगाया.
1959 अमरीकी राष्ट्रपति डी.डी.आइजन हावर भारत आए .
1963 केन्या स्वतंत्र हुआ.
1964 राष्ट्रकवि मैथिली शरण गुप्त का निधन.
1965 पहला टैंक विजयंत अवाडी कारखाने से बनकर निकला.
1969 मिलान और रोम में बम विस्फोटों में 13 व्यक्ति मारे गए और एक सौ से अधिक घायल हो गए.
1971 राजाओं के प्रिवीपर्स को समाप्त करने का कानून पारित.
1976 शहीद मदन लाल ढींगरा की भस्मी ब्रिटेन से भारत लाई गयी.
1979 कोलंबिया में भूकंप से 61 व्यक्ति मारे गए.
1992 इंडोनेशिया में 2200 व्यक्ति मारे गए.
1993 चिल्ली में राष्ट्रपति के चुनाव में एडुआडो फ्रेई विजयी हुए.
1999 स्टेट्मैन के पूर्व संपादक सच्चिदानंद सहाय का निधन.
2000 कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री जे. एच. पटेल का निधन.
2002 गुजरात विधानसभा चुनावों में 63 प्रतिशत मतदान.
2004 जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री मीर कासिम का निधन.

इंसानों जैसे दिखने वाले रोबोट अब बने हकीकत

-वैज्ञानिकों ने लैब में बनाया 'अजूबा', हावभाव देख चौंके लोग

लंदन (ईएमएस)। इंसानों जैसे दिखने वाले रोबोट अभी तक आपने सिर्फ फिल्मों में देखे होंगे, जो इंसानी कल्पना का हिस्सा थे। लेकिन अब ये रोबोट सिर्फ कल्पना नहीं बल्कि हकीकत का हिस्सा हैं। इन्हें 'दुनिया का सबसे एडवांस' ह्यूमनॉइड रोबोट कहा गया है। इन रोबोट्स को अमेका नाम दिया गया है जो ब्रिटिश लैब में बनाए गए हैं। इनकी शरीरिक गतिविधियां और चेहरे के हावभाव बिल्कुल इंसानों की तरह ही हैं।

कॉर्नवाल स्थित इंजीनियर आर्ट्स खुद को 'यूके के अग्रणी डिजाइनर और ह्यूमनॉइड एंटरटेनमेंट रोबोट के निर्माता' के रूप में ब्रांड करता है। कंपनी ने इस मशीन का खुलासा यूट्यूब पर किया है। वीडियो को देखकर कई दर्शकों ने आश्चर्य जताया कि मशीन कितनी 'असली' और 'इंसानी' है। एक यूजर ने लिखा, 'मुझे पता है कि हमें एआई से डरना चाहिए लेकिन यह गाइनोइड है जिसने मुझे डराया नहीं, यह काफी अच्छा है।' एक दूसरे यूजर ने लिखा, 'जब किसी चीज के जिंदा और असली दिखने की बात आती है तो आंखें बेहद अहम होती हैं। उनकी गतिविधियां, फोकस, पलकों को झपकाना और किसी भी चीज पर ध्यान देना।' वहीं तीसरे यूजर ने लिखा, 'बेहतरीन काम! इसके हाथ भी बेहत अच्छे लग रहे हैं।' कुछ लोगों ने अमेका की तुलना 2004 में आई साइंस फिक्शन फिल्म आई, रोबोट के एनएस-5 से की। इसमें इंटेलिजेंट रोबोट्स को डायस्टोपियन दुनिया में सार्वजनिक सेवा के पदों को भरते हुए दिखाया गया है। वह अपनी आंखें कई बार झपकाता है और अपने मशीनी हाथ को ध्यान से देखता है।

यह निश्चित रूप से बेहद असली लगता है और चेहरे के हावभाव के मामले में अपने क्षेत्र में सबसे आगे है लेकिन अगली चुनौती इन रोबोट्स को चलने में सक्षम बनाने की है। इंजीनियर आर्ट्स ने कहा है कि इसके लिए अभी भी एक लंबा रास्ता तय किया जाना बाकी है। यूट्यूब क्लिप में रोबोट अपनी आंखें खोलने से पहले अपने कंधों को हिलाते हुए दिखाई दे रहा है। उसके चेहरे पर बिल्कुल इंसानों जैसे आश्चर्य के हावभाव देखे जा सकते हैं।

शब्द पहेली - 7134

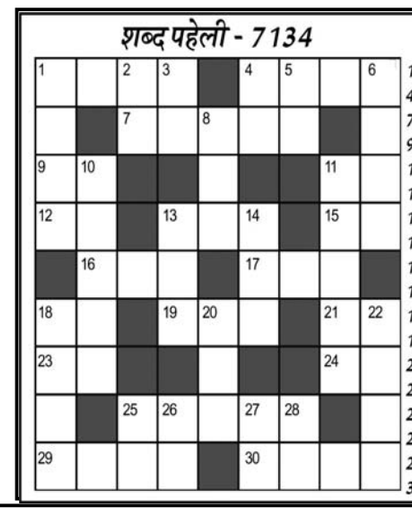

बाएँ से दाएँ

1.दुर्व्यवहार,बुरा आचरण-4
4.पंजाब की एक नदी-4
7.अनाथालय-5
9.दूसरा,पराया-2
11.चलने का तरीका-2
12.नृत्य-2
13.समीप,पास,नजदीक-3
15.बुरी आदत-2
16.नृत्य करना-3
17.प्रलोभन,हवस,तृष्णा-3
18.मालिक,ईश्वर-2
19.निहित,कारण-3
21.भाग्य(अंग्रेजी-2)
23.थूक,लेस-2
24.नवीन,नव-2
25.नयापन,अनूठापन-5
29.नामवाला,नामचिन-4
30.करिश्मा,चमत्कार-4

ऊपर से नीचे

1.मनोरचना,मनगढ़ंत-4
2.कोक,कहवा-2
3.कामदेव की पत्नी-2
4.मित्र,दोस्त-2
5.पेड़ का मध्य भाग-2
6.नादानी,अनाड़ीपन-4
8.बंदर नचाने वाला-3
10.रचना करने वाला-5
11.आरचण,चरित्र-5
13.कपड़े की दिवार-3
14.उठा ले जाना, बलपूर्वक-3
18.पूजा,प्रार्थना-4
20.खूबसुरत,सुन्दर-3
22.कहर,भूचाल-4
25.नया,नवीन-2
26.शूर,बहादूर,सूरमा-2
27.अवधि में,पर्यंत-2
28.मृत,अप्रबल-2

शब्द पहेली -7133 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

आईओए अध्यक्ष पद के चुनावों में उतरेंगे राजनाथ के बेटे पंकज

नई दिल्ली (ईएमएस)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के बेटे और नोएडा के विधायक पंकज सिंह अब भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ेंगे। पंकज इसी साल अगस्त में भारतीय तलवारबाजी संघ (एफएआई) के अध्यक्ष बने थे। एक रिपोर्ट के अनुसार, पंकज को जहां कई ओर से समर्थन मिला हुआ है। वहीं वर्तमान आईओए अध्यक्ष नरिंदर बत्रा कठिन हालातों से गुजर रहे हैं क्योंकि दिल्ली हाईकोर्ट ने वरिष्ठ अधिवक्ता राहुल मेहरा की याचिका पर आईओए की कार्यकारी समिति के चुनाव पर रोक लगा दी थी। मेहरा ने अपनी याचिका में कहा था कि 19 दिसंबर को होने वाले प्रस्तावित चुनाव पूरी तरह से अवैध हैं

50 करोड़ के विदेशी लेन-देन पर देना होगा एलईआई नंबर: आरबीआई

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कहा कि कंपनियों को अगले साल अक्टूबर 2022 से विदेशों में 50 करोड़ रुपए या अधिक राशि के लेनदेन करने पर वैध इकाई पहचानकर्ता (एलईआई) नंबर का उल्लेख करना होगा। एलईआई वित्तीय लेनदेन के लिए पक्षों की पहचान सुनिश्चित करने वाला 20 अंकों का एक नंबर होता है। वित्तीय आंकड़े से जुड़ी प्रणालियों की गुणवत्ता एवं सटीकता सुधारने के लिए पूरी दुनिया में इसका इस्तेमाल किया जाता है। यह प्रावधान फेमा (विदेशी विनिमय प्रबंधन कानून) कानून, 1999 के तहत किया गया है। आरबीआई ने कहा कि विदेशी इकाइयों के संदर्भ में एलईआई की कोई सूचना उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में बैंक लेनदेन को पूरा कर सकते हैं। केंद्रीय बैंक भारतीय वित्तीय प्रणाली में एलईआई को चरणबद्ध ढंग से लागू कर रहा है। वह ओटीसी डेरिवेटिव, गैर-डेरिवेटिव बाजारों, बड़ी कॉरपोरेट उधारी लेने वालों और ऊंचे मूल्य वाले लेनदेन में शामिल पक्षों के लिए एलईआई की व्यवस्था लागू करता रहा है। केंद्रीय बैंक ने कहा है कि बैंक कंपनियों को एक अक्टूबर 2022 से पहले भी 50 करोड़ रुपए से अधिक के विदेशी लेनदेन के लिए एलईआई नंबर जारी कराने को प्रोत्साहित कर सकते हैं। हालांकि एक बार एलईआई नंबर जारी होने के बाद कंपनी को अपने सभी आकार के लेनदेन में उसका उल्लेख करना जरूरी होगा।

अमेरिका में उपभोक्ता महंगाई दर नवंबर में बढ़कर 6.8 प्रतिशत

वाशिंगटन (ईएमएस)। ऊंची मुद्रास्फीति से जूझ रहे अमेरिका में उपभोक्ताओं के लिए कीमतें नवंबर में 6.8 प्रतिशत तक बढ़ गईं। अमेरिकी श्रम विभाग द्वारा हाल ही में जारी ?किए गए आंकड़ों में बताया गया कि खाद्य उत्पादों, ऊर्जा, आवास एवं अन्य उत्पादों की कीमतें बढ़ने से उपभोक्ताओं को नवंबर में काफी झटका लगा। नवंबर 2020 की तुलना में उपभोक्ता कीमतें 6.8 प्रतिशत तक बढ़ गईं जबकि अक्टूबर 2021 की तुलना में यह वृद्धि 0.8 प्रतिशत है। अमेरिका की सालाना मुद्रास्फीति दर वर्ष 1982 के बाद से उच्चतम स्तर पर पहुंची हुई है। इससे आम उपभोक्ताओं, खासकर निम्न आय वाले परिवारों को रोजमर्रा की जरूरतों से जुड़े सामान काफी महंगे पड़ रहे हैं। हालांकि कामगारों की किल्लत से गुजर रही नियोक्ता कंपनियों ने वेतन एवं भत्ते बढ़ाए हैं, लेकिन इसकी वजह से उन्हें अपने उत्पादों की कीमतें भी बढ़ानी पड़ी हैं जिससे मुद्रास्फीति बढ़ गई है।

सेबी ने एमएफ के जोखिम प्रबंधन ढांचा लागू करने की समयसीमा बढ़ाई

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने म्युचुअल फंड के लिए जोखिम प्रबंधन ढांचे के क्रियान्वयन की समयसीमा एक अप्रैल 2022 तक के लिए बढ़ा दी है। सेबी ने कहा कि म्युचुअल फंड (एमएफ) के लिए जोखिम प्रबंधन ढांचा लागू करने की समयसीमा बढ़ाई जा रही है। पहले यह व्यवस्था एक जनवरी 2022 से ही लागू होने वाली थी। इसके साथ ही नियामक ने कहा कि खास श्रेणी की एमएफ योजनाओं का मानक तय करने वाली द्विस्तरीय संरचना भी अब नई तारीख से लागू होगी। सेबी ने म्युचुअल फंड द्वारा पूल खातों के इस्तेमाल पर दिशानिर्देश जारी करने और बीआरडीएस योजनाओं में निवेश के मानक भी तय करने की बात कही है। म्युचुअल फंड संचालित करने वाली इकाइयों के संगठन एएमएफआई से मिले प्रतिवेदनों के आधार पर सेबी ने ये सभी फैसले किए हैं। बाजार नियामक ने कहा कि म्युचुअल फंड सिर्फ लेनदेन के ही लिए पूल खातों का इस्तेमाल कर सकती हैं। ये लेनदेन भी फंड स्तर पर ही होने चाहिए। हालांकि इसके लिए फंड हाउस को नियामकीय मंजूरी लेनी होगी।

प्रॉपर्टी बाजार पर अब तक ओमीक्रोन का असर नहीं, बढ़ेगी विक्री: क्रेडाई

नई दिल्ली (ईएमएस)। जमीन-जायदाद के विकास से जुड़ी कंपनियों का शीर्ष संगठन क्रेडाई ने कहा कि कोरोना वायरस के नए स्वरूप ओमीक्रोन का प्रॉपर्टी बाजार पर अब तक कोई असर नहीं है और बिक्री में बढ़ोतरी जारी रहने की संभावना है। क्रेडाई (कॉन्फेडरेशन ऑफ रियल एस्टेट डेवलपर्स एसोसिएशंस ऑफ इंडिया) ने कहा ?कि भारत के रियल्टी बाजार पर कोरोना वायरस के नए ओमीक्रोन स्वरूप का कोई विशेष असर नहीं है और त्योहारों के बाद वृद्धि को जो गति मिली थी उसके जारी रहने की उम्मीद है।' भारत में कोविड-19 के ओमीक्रोन स्वरूप के अब तक 25 मामले सामने आए हैं। क्रेडाई ने कहा कि परियोजना निर्माण की गति पर अभी किसी तरह का असर पड़ने की आशंका नहीं है। आने वाले महीनों में यदि संक्रमण के मामले तेजी से नहीं बढ़ते हैं तो परियोजनाएं पूरी हो सकेंगी, उन पर कोई असर नहीं पड़ेगा। क्रेडाई ने कहा ?कि कंपनियां महामारी की दो लहरों से सबक ले चुकी हैं और आपूर्ति श्रंखला या कामगारों को लेकर बड़े पैमाने पर किसी भी तरह के व्यवधान से निबटने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। भारत सरकार से अनुरोध किया कि भविष्य में किसी भी तरह के लॉकडाउन या कर्फ्यू से रियल एस्टेट और निर्माण क्षेत्र को छूट दी जाए।

सॉफ्टवेयर 'टूल' में बड़ी सेंधमारी, छोटी-बड़ी कंपनियों के लिए पैदा हुआ खतरा

बोस्टन (ईएमएस)। इंटरनेट पर बढ़ती निर्भरता अब खतरे की घंटी भी बनती जा रही है। विश्व में बड़े स्तर पर इस्तेमाल किए जाने वाले एक सॉफ्टवेयर 'टूल' में बड़ी सेंध की वजह से दुनिया के कई छोटे-बड़े संगठनों के लिए खतरा पैदा हो गया है। साइबर सुरक्षा फर्म क्राउडस्ट्राइक में वरिष्ठ उपाध्यक्ष-आसूचना एडम मेयर्स ने कहा, 'इंटरनेट पर तबाही मची हुई है। लोग इस सेंध को ठीक करने के लिए मशक्कत कर रहे हैं।' उन्होंने कहा कि यह 'बग' अस्तित्व में आने के 12 घंटों में 'पूर्ण रूप से नुकसान पहुंचाने के लिए तैयार हो गया था।' इसका मतलब है कि साइबर अपराधियों ने इसके दुरुपयोग के लिए 'उपकरण' तैयार कर लिए हैं।

मेयर्स के अनुसार, यह पिछले कई वर्षों में कंप्यूटर प्रणाली के लिए सबसे बड़ी सेंध साबित हो सकती है। जब तक इसे ठीक नहीं किया जाता है, यह अपराधियों, जासूसों और नौसिखियों को समान रूप से आंतरिक नेटवर्क तक आसान पहुंच प्रदान करता है। इसके जरिए वे महत्वपूर्ण आंकड़े चोरी कर सकते हैं, मालवेयर डॉल सकते हैं और महत्वपूर्ण जानकारी को मिटा सकते हैं। वही साइबर सुरक्षा कंपनी टेनेबल के मुख्य कार्यपालक अधिकारी अमित योरान ने इसे पिछले एक दशक की सबसे बड़ी सेंध करार देते हुए कहा कि यह आधुनिक कंप्यूटिंग के इतिहास में सबसे बड़ी गड़बड़ी है।

भारत की मौजूदा आर्थिक वृद्धि टिकाऊ नहीं, पहली छमाही में चरम पर पहुंचेगी: नोमुरा

मुंबई (ईएमएस)। जापान की ब्रोकरेज कंपनी नोमुरा का मानना है कि भारत में देखी जा रही मौजूदा आर्थिक वृद्धि टिकाऊ नहीं है और यह वर्ष 2022 की पहली छमाही में चरम पर पहुंच जाएगी। नोमुरा ने अपने वार्षिक परिदृश्य में कहा कि ऊंची मुद्रास्फीति और बढ़ा हुआ चालू खाता घाटा अपना असर दिखाएंगे और भारतीय रिजर्व बैंक कदम उठाने के लिए मजबूर हो जाएगा। नोमुरा ने कहा कि भारत ने महामारी के दौर में आर्थिक वृद्धि को रफ्तार देने के लिए नरम नीतियां अपनाईं जिसका असर उच्च मुद्रास्फीति एवं चालू खाते का घाटा बढ़ने के रूप में सामने आया है। ब्रोकरेज फर्म के मुताबिक भारत का आर्थिक पुनरुद्धार असंतुलित रहा है जिससे निम्न आय वाले परिवारों की खपत कम हुई है और आने वाले समय में सतत रूप से पूंजीगत व्यय में वृद्धि के भी आसार नहीं दिख रहे हैं। नोमुरा के विश्लेषकों ने कहा ?कि हमें नहीं लगता है कि वृद्धि का मौजूदा दौर टिकाऊ रहेगा। मिश्रित वृद्धि, ऊंची मुद्रास्फीति और दोहरे घाटे बढ़ने से हमारा अनुमान है कि भारत का जोखिम बढ़ेगा और आरबीआई को वृद्धि चक्र संभालने के लिए आगे आना होगा। ब्रोकरेज फर्म ने कहा कि पुनरुद्धार की रफ्तार पर आपूर्ति पक्ष से जुड़ी बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है लेकिन बिजली की कमी और चिप की किल्लत दूर होने के बाद इसके सामान्य हो जाने की उम्मीद है। हमारा आकलन है कि भारत 2022 की पहली छमाही में कारोबारी चक्र के शिखर पर होगा और दूसरी छमाही में यह रफ्तार सुस्त पड़ने लगेगी। विश्लेषकों ने भारतीय शेयर बाजारों पर अपना रुख तटस्थ रखते हुए कहा कि ऊंचे मूल्यांकन की वजह से कुछ चिंताएं हैं।

एस्टेरिया एयरोस्पेस ने भारत का पहला माइक्रो कैटेगरी ड्रोन प्रदर्शित किया

ग्वालियर (ईएमएस)। एस्टेरिया एयरोस्पेस ने स्वदेशी तौर पर डिजाइन और विकसित, माइक्रो ड्रोन, ए200-एक्सटी प्रदर्शित किया। यह ड्रोन निगरानी का काम बेहद कारगर तरीके से करता है। ग्वालियर में चल रहे ड्रोन मेले में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और केन्द्रीय नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया सहित कई अन्य गणमान्य लोग शामिल हुए। ए200-एक्सटी एक माइक्रो साइज का मल्टीरोटर ड्रोन है, जिसका वजन 2 किलोग्राम से कम है। यह ड्रोन एक छोटे से क्षेत्र से वर्टिकली टेक ऑफ और लैंड कर सकता है, यानी सीधे ऊपर उड़ सकता है और नीचे उतर सकता है। इसमें पेलोड बदलने की अद्भुत क्षमता है, जो इसे खास बनाती है। जैसे दिन के दौरान यह एक हाई ज़ूम वीडियो कैमरा ले जा सकता है जो रात के समय निगरानी और सुरक्षा उपयोग के लिए थर्मल कैमरे में बदल जाता है। टकराने से बचाने के लिए ए200-एक्सटी अपने सेंसरों की मदद से अपने चारों तरफ नजर रख सकता है और बिना टकराए अपने काम को अंजाम दे सकता है।

नील मेहता, सह-संस्थापक और डायरेक्टर, एस्टेरिया एयरोस्पेस ने कहा कि ''यह भारत के लिए गर्व का क्षण है, हम माइक्रो कैटेगरी में पहला स्वदेशी ड्रोन लॉन्च कर रहे हैं, जो 10 गुणा ऑप्टिकल ज़ूम कैमरे के साथ-साथ दिन और रात की निगरानी और सुरक्षा कार्यों के लिए एक स्वैपेबल थर्मल कैमरा के साथ 40 मिनट से अधिक की उड़ान भर सकता है।'' मेहता ने आगे बताया कि ''इसे पायलट द्वारा आसानी से कहीं भी लाया-ले जाया और संचालित किया जा सकता है और इसमें ओम्नी-डायरेक्शनल (सभी दिशाओं) बाधाओं का पता लगाने और बचाव की क्षमता है, जो इसे किसी भी तरह के संचालन के अनुकूल बनाता है। इस ड्रोन कैमरे का उपयोग सैन्य, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल, राज्य स्तरीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों और महत्वपूर्ण इंफ्रास्ट्रक्चर की सुरक्षा के लिए किया जा सकता है।''

इसमें कई तरह के एडवांस्ड फीचर्स है, ए200-एक्सटी ड्रोन 40 मिनट से अधिक समय तक उड़ान भर सकता है और 4 किमी से अधिक रेंज का विडियो लिंक बना सकता है। इसे सिंगल पायलट एक हैंडहेल्ड कंट्रोलर के माध्यम से उड़ा सकता है, यह पोर्टेबल है और इसे ऑपरेट करना बेहद आसान है, साथ ही इसे तुरंत कहीं भी, कभी भी निगरानी के काम पर लगाया जा सकता है। एस्टेरिया के मिशन कंट्रोल सॉफ्टवेयर से पॉइंट-एंड-क्लिक कमांड दिया जा सकता है साथ ही इसका ग्राफिकल यूजर इंटरफेस इस्तेमाल करने में बेहद आसान है। ए200-एक्सटी, एस्टेरिया के जेनेसिस क्लाउड प्लेटफॉर्म के साथ भी जुड़ा रह सकता है, जो इसे दूर दराज के इलाकों से रीयल-टाइम उड़ान संचालन प्रबंधन (फ्लाइट ऑपरेशन मैनेजमेंट) की क्षमता प्रदान करता है। ए200-एक्सटी ड्रोन का उड़ान संचालन, सिंगल क्लिक टेक ऑफ और सिंगल क्लिक रिटर्न टू लॉन्च / लैंड के साथ पूरी तरह से स्वचालित हैं। लो-बैटरी, कम्यूनिकेशन लिंक के टूटने या फिर महत्वपूर्ण नेविगेशन सेंसर को नुकसान होने के बावजूद इसका 'इंटीग्रेटेड फेलसेफ फ्लाइट मोड' इसे सुरक्षित रखता है।

एस्टेरिया एयरोस्पेस लिमिटेड, जियो प्लेटफॉर्म्स लिमिटेड की एक सहायक कंपनी है, जो रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है। पिछले 10 वर्षों से, एस्टेरिया माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 'आत्मनिर्भर भारत' के दृष्टिकोण को डिजाइन और साकार करने की दिशा में काम कर रही है। स्वदेशी रूप से ड्रोन का निर्माण और भारतीय ड्रोन उद्योग में अग्रणी में से एक है। इसके उत्पादों और समाधानों का भारतीय सशस्त्र बलों, सीएपीएफ, कानून प्रवर्तन एजेंसियों, नागरिक सरकारी एजेंसियों और निजी क्षेत्र की कंपनियों द्वारा व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है।

सऊदी अरब ने सुन्नी संगठन तबलीगी जमात को 'आतंकवाद का दरवाजा' बता किया बैन

रियाद (ईएमएस)। दुनिया में बढ़ती मुस्लिम कट्टरता को लेकर अब सऊदी अरब सरकार ने सुन्नी संगठन तबलीगी जमात पर बड़ी कार्रवाई करते हुए अपने देश में इस संगठन पर प्रतिबंद लगा दिया है। इतना ही नहीं सरकार ने यह भी कहा है कि यह संगठन आतंकवाद के दरवाजों में से एक है। सरकार ने कहा कि मौलानाओं को आदेश दिया है कि यह संगठन समाज के लिए खतरा है और मस्जिदों में शुक्रवार के उपदेश में इसके बारे में लोगों चेतावनी देना शुरू कर दें। सऊदी सरकार इस पूरे मामले को गंभीरता से ले रही है। देश के इस्लामिक मामलों के मंत्रालय ने इस संबंध में एक के बाद एक कई ट्वीट किए। सरकार ने ट्वीट के माध्यम कई ऐसे सारे प्वाइंट को बताया जिनकी वजहों से तबलीगी जमात देश के लिए खतरा बना है और इसे बैन किया जा रहा है। मंत्रालय ने कहा कि इस्लामिक मामलों के मंत्री डॉक्टर अब्दुल लतीफ अल अलशेख ने मस्जिद मौलानाओं से शुक्रवार की प्रार्थना को अस्थाई रखने के लिए कहा है ताकि अगले शक्रवार को तबलीगी जमात और उसके संगठन की चेतावनी को फैलाया जा सके।

एक ट्वीट में कहा गया है कि इस संगठन ने लोगों को अपने पथ से भटकाया है और यह एक खतरे की घोषणा है। यह आतंकवाद के दरवाजों में से एक दरवाजा है। सरकार ने धार्मिक क्षेत्र के लोगों से जनता को यह समझाने के लिए कहा है कि उन्हें बताया जाए कि यह संगठन किस तरह से सामाज के लिए खतरा है। गौरतलब है कि भारत में यह संगठन 1926 के करीब अस्तित्व में आया था। तब्लीगी जमात एक सुन्नी इस्लामिक मिशनरी आंदोलन है। यह संगठन मुसलमानों को सुन्नी इस्लाम में लौटने और धार्मिक उपदेश देने का काम करता है। यह एक बेहद पुराना रूढ़वादी संगठन है और अब इसकी पहुंच दुनिया भर के तमाम देशों में हो चुकी है।

तबलीगी जमात संगठन कितना बड़ा है इसका अंदाजा इसी बात से लगा सकते हैं कि दुनिया भर में इसकी 350 से 400 मिलियन सदस्य हैं। सऊदी सरकार का कहना है कि वैसे तो यह संगठन यह दावा करता है कि इसका ध्यान केवल धर्म पर है और यह राजनीति और बहसबाजी से दूर रहता है लेकिन उनके दावे पूरी तरह से खोखले हैं। आपको याद दिला दें कि भारत में कोरोना महामारी के दौरान लॉकडाउन के समय कोविड गाइडलाइन का पालन न करने की वजह से दिल्ली के निजामुद्दीन क्षेत्र में लॉकडाउन के नियमों का उल्लंघन करने पर भी तबलीगी जमात दिल्ली में तबलीगी जमात की जमकर आलोचना हुई थी।

इमरान सरकार को झटका, टीटीपी ने संघर्ष विराम समझौते का विस्तार करने से इंकार किया

इस्लामाबाद (ईएमएस)। प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी), इमरान सरकार के साथ हुए महीने भर के संघर्ष विराम समझौते का विस्तार नहीं करेगा। इसकी घोषणा आतंकी समूह ने खुद की हैं। इसके बाद प्रधानमंत्री इमरान खान के समूह के साथ शांति समझौते के प्रयासों को बड़ा झटका है। पिछले 14 वर्षों में पाकिस्तानी सुरक्षा बलों और नागरिकों पर हुए कई बड़े हमलों में पाकिस्तान तालिबान का हाथ रहा है। इन हमलों में 2014 में पेशावर में सैनिक स्कूल पर हमला भी शामिल है, जिसमें 150 से अधिक व्यक्तियों की मौत हो गई थी। मारे गए व्यक्तियों में अधिकतर बच्चे थे।

टीटीपी ने बयान में पाकिस्तान सरकार पर लड़ाकों की रिहाई सहित फैसलों का सम्मान करने में विफल रहने का आरोप लगाया गया है। टीटीपी ने 25 अक्टूबर, 2021 को इस्लामिक अमीरात ऑफ अफगानिस्तान' (आईईए) के तत्वावधान में सरकार के साथ हुए छह-सूत्रीय समझौते की जानकारी दी। समझौते के अनुसार, दोनों पक्षों ने स्वीकार किया था कि आईईए मध्यस्थ की भूमिका निभाएगा और दोनों पक्ष पांच-पांच सदस्यीय समितियां बनाएंगे, जो मध्यस्थ की देखरेख में प्रत्येक पक्ष के कार्रवाई के अगले कदम और मांगों पर चर्चा करेंगी। साथ ही दोनों पक्ष 1 नवंबर से 30 नवंबर, 2021 तक एक महीने तक युद्धविराम का पालन करने के लिए भी सहमत हुए थे और सरकार जेल में बंद 102 मुजाहिदीनों'' को रिहा करेगी और उन्हें ''आईईए और दोनों के माध्यम से टीटीपी को सौंपेगी।''

बयान के अनुसार, सरकार न केवल दोनों पक्षों के बीच हुए फैसलों को लागू करने में विफल रही, बल्कि इसके विपरीत, सुरक्षा बलों ने डेरा इस्माइल खान, लक्की मारवात, स्वात, बाजौर, स्वाबी और उत्तरी वजीरिस्तान में छापेमारी की और आतंकवादियों को मारकर हिरासत में लिया। टीटीपी ने कहा, इन परिस्थितियों में संघर्ष विराम को आगे बढ़ाना संभव नहीं है। इससे पहले ऑडियो संदेश में टीटीपी प्रमुख मुफ्ती नूर वली महसूद ने संघर्ष विराम की समाप्ति की घोषणा की और अपने लड़ाकों से 12 बजे के बाद हमले फिर से शुरू करने को कहा। खबर में कहा गया है कि संघर्षविराम नौ नवंबर को लागू हुआ था।

अमेरिका में केंटकी में तूफान ने मचाई तबाही, 50 लोगों की मौत की आशंका

वॉशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिका में केंटकी के मेफील्ड सहित कई इलाकों में तूफान ने भारी तबाही मचाई है। तूफान की चपेट में आने से लगभग 50 लोगों की मौत की आशंका है। केंटकी के गवर्नर ने आपातकाल की घोषणा कर बताया कि रेस्क्यू टीमें इलाके में मौजूद हैं और राहत व बचाव का काम जारी है। मेफील्ड इलाके में मोमबत्ती के कारखाने को तूफान से काफी नुकसान पहुंचा है। बताया जा रहा है कि तूफान जब फैक्ट्री से टकराया, उस वक्त उसमें 100 से ज्यादा लोग काम रहे थे। यहां रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। टेनेसी में, राज्य के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र में लेक काउंटी में तूफान से दो मौतें हुई

ब्रिटेन में ओमीक्रोन के आगे 'फेल' हुई ऑक्सफोर्ड की कोविशील्ड वैक्सीन, भारत में लोगों की बढ़ी टेंशन

लंदन (ईएमएस)। ब्रिटेन में लाखों लोग कोरोना के ओमीक्रोन वेरिएंट से असुरक्षित और संक्रमण के खतरे के बीच सांस ले रहे हैं। बड़ी संख्या में लोगों के बीच बूस्टर डोज लगवाने की होड़ लगी हुई है, वहीं विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि एनएचएस बुकिंग साइट पर गड़बड़ी के चलते क्रिसमस तक कई लोग वैक्सीन नहीं लगवा पाएंगे। वैक्सीन को लेकर एक जांच ने टेंशन बढ़ा दी है जिसमें एस्ट्राजेनेका वैक्सीन, जिसे भारत में कोविशील्ड के नाम से जाना जा रहा है, कुछ महीनों बाद ओमीक्रोन के खिलाफ अप्रभावी पाई गई है। हालांकि राहत की बात यह है कि वैक्सीन की तीसरी खुराक यानी बूस्टर डोज नए वेरिएंट के खिलाफ 76 फीसदी तक कारगर साबित हुआ है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ओमीक्रोन ब्रिटेन में तेजी से पैर पसार रहा है और अगले दो हफ्तों में इसका और भी ज्यादा भयानक रूप देखने को मिल सकता है। ब्रिटेन की स्वास्थ्य सुरक्षा एजेंसी ने चेतावनी जारी की है कि इस माह के आखिर तक संक्रमण के मामले 10 लाख तक पहुंच सकते हैं। राहत की बात है कि वैक्सीन की बूस्टर डोज ने ओमीक्रोन के खिलाफ प्रभाविकता दिखाई है, लेकिन लाखों लोग जिन्हें अभी भी तीसरी डोज नहीं लगी है, संक्रमण के खतरे के बीच मौजूद हैं। वैक्सीन को लेकर सरकारी वैज्ञानिकों ने ब्रिटेन में ओमीक्रोन के 581 मामलों की तुलना डेल्टा के 56,000 मामलों से की, ताकि शुरुआती अनुमान लगाया जा सके कि नए वेरिएंट के खिलाफ टीके कितनी अच्छी तरह रक्षा करते हैं।

उन्होंने पाया कि ज्यादातर बुजुर्गों, जिन्हें कई महीने पहले एस्ट्राजेनेका की दो खुराकें दी गई थीं, में ओमीक्रोन के खिलाफ लगभग कोई सुरक्षा नहीं पाई गई। वहीं दो फाइजर खुराकों ने 30 फीसदी से थोड़ी ज्यादा सुरक्षा दिखाई, लेकिन तीसरी खुराक के रूप में फाइजर का इस्तेमाल करने पर मूलतः एस्ट्राजेनेका वैक्सीन लेने वालों में 71 फीसदी और फाइजर वैक्सीन की दोनों डोज लेने वालों में 76 फीसदी की सुरक्षा पाई गई है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि फाइजर बूस्टर डोज हल्के ओमीक्रोन संक्रमण के खिलाफ 70 से 75 फीसदी सुरक्षा प्रदान करता है, भले ही मूल रूप से किसी भी वैक्सीन का इस्तेमाल किया गया हो। वहीं डेल्टा के खिलाफ यह 90 फीसदी कारगर है। दो खुराकों की बात करें तो फाइजर की दो डोज साढ़े तीन महीने के बाद सिर्फ 37 फीसदी सुरक्षा दे सकती हैं, जबकि डेल्टा के खिलाफ यह 60 फीसदी है।

इसी समयावधि के बाद एस्ट्राजेनेका के दो डोज ने कोई सुरक्षा प्रदान नहीं की है। वैज्ञानिकों ने कहा है कि एस्ट्राजेनेका को लेकर डेटा कम विश्वनीय हो सकता है, क्योंकि कुछ आयु समूहों के लिए यह प्रतिबंधित है और खतरे के करीब श्रेणी के लोगों के लिए शुरुआती दौर में इस्तेमाल किया गया था। विशेषज्ञों ने कहा कि यह निराशाजनक है कि ओमीक्रोन ने मौजूदा वैक्सीन को कुछ हद तक कमजोर कर दिया है।

ब्रिटेन की ऑक्सफोर्ड-एस्ट्राजेनेका वैक्सीन का इस्तेमाल भारत के टीकाकरण अभियान में कोविशील्ड नाम से किया जा रहा है, जिसका निर्माण भारत में किया गया है। विशेषज्ञ लोगों से बूस्टर डोज लगवाने की अपील कर रहे हैं। ब्रिटेन में हर तीन दिनों में ओमीक्रोन के मामले दोगुने हो रहे हैं। स्वास्थ्य अधिकारी आगामी क्रिसमस को लेकर चिंता में हैं जब बड़ी संख्या में लोग जश्न मनाने के लिए सड़कों पर निकलते हैं। लोगों से संक्रमण से बचने के लिए टेस्टिंग कराने और सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने की अपील की गई है।

जूलियन असांजे के अमेरिका प्रत्यर्पण का रास्ता साफ, लंदन हाईकोर्ट ने पलटा लोअर कोर्ट का फैसला

लंदन (ईएमएस)। ब्रिटेन के लंदन हाईकोर्ट ने निचली अदालत के फैसले को पलटते हुए जूलियन असांजे को अमेरिका प्रत्यर्पित किए जाने का रास्ता खोल दिया है। निचली अदालत ने विकीलीक्स के संस्थापक के मानसिक स्वास्थ्य का हवाला देते हुए प्रत्यर्पण के अमेरिकी अनुरोध को खारिज कर दिया था।

50 वर्षीय ऑस्ट्रेलियाई नागरिक असांजे 2010 और 2011 में हजारों गोपनीय सैन्य तथा राजनयिक दस्तावेजों के प्रकाशन के मामले में अमेरिका में वांछित हैं। इस साल की शुरुआत में निचली अदालत के एक न्यायाधीश ने विकीलीक्स द्वारा एक दशक पहले गुप्त सैन्य दस्तावेजों का प्रकाशन किए जाने के मामले में जासूसी के आरोपों का सामना कर रहे असांजे को अमेरिका प्रत्यर्पित करने के अमेरिकी अनुरोध को खारिज कर दिया था।

निचली अदालत ने कहा था कि यदि असांजे को प्रत्यर्पित किया गया तो अपनी कमजोर मानसिक स्थिति के चलते उनके आत्महत्या करने का खतरा है। हाईकोर्ट के शुक्रवार को आए फैसले का मतलब है कि अमेरिकी अधिकारियों ने अपील संबंधी मुकदमे की लड़ाई जीत ली है। इन अधिकारियों ने अदालत को पुन आश्वस्त किया कि वे असांजे से संबंधित आत्महत्या के जोखिम को कम करने के लिए उचित कदम उठाएंगे।

जनवरी में जिला न्यायाधीश वैनेसा बारैत्सेर ने कहा था कि असांजे का मानसिक स्वास्थ्य ठीक नहीं है और इसलिए उन्हें प्रत्यर्पित किया जाना उचित नहीं होगा क्योंकि ऐसा करने से उनके आत्महत्या करने की आशंका है। असांजे पर अमेरिका में जासूसी के 17 आरोप और कंप्यूटर के दुरुपयोग संबंधी एक आरोप लगाया गया है। इन आरोपों में दोषी पाए जाने पर अधिकतम 175 साल तक की कैद हो सकती है। मुख्य न्यायाधीश लॉर्ड बर्नेट और न्यायाधीश लॉर्ड होलोयडे ने निचली अदालत के फैसले को पलट दिया।

असांजे की मंगेतर स्टेला मोरिस ने कहा कि उनका इरादा उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ अपील दायर करने का है। मोरिस ने कहा कि उच्च न्यायालय का फैसला खतरनाक है और अमेरिका के आश्वासन पर विश्वास नहीं किया जा सकता। अदालत के बाहर भावुक मोरिस ने कहा कि पिछले ढाई साल से, जूलियन (असांजे) बेलमर्श जेल में है, और वास्तव में वह सात दिसंबर 2010 से किसी न किसी रूप में 11 साल से हिरासत में रहे हैं। यह कब तक चलेगा? इस बीच, विकीलीक्स के प्रधान संपादक क्रिस्टिन हृफंसन ने एक बयान में कहा जूलियन का जीवन एक बार फिर गंभीर खतरे में है, और ऐसी सामग्री प्रकाशित करना पत्रकारों का अधिकार है, जो सरकारों को असुविधाजनक लगे। पुलिस द्वारा इक्वाडोर के दूतावास से बाहर लाए जाने के बाद 2019 से असांजे बेलमार्श जेल में हैं। इसके बाद, उन्हें जमानत शर्तों का उल्लंघन करने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया था। वह यौन अपराध के आरोपों का सामना करने के लिए स्वीडन प्रत्यर्पित किए जाने से बचने के लिए 2012 से दूतावास में रह रहे थे। यौन अपराध के आरोपों का उन्होंने हमेशा खंडन किया और अंतत इन्हें वापस ले लिया गया था।

दुनियाभर के कई देशों में सिगरेट पर प्रतिबंध लगाने की तैयारी!

मुंबई (ईएमएस)। दुनिया भर के कई देश तंबाकू के इस्तेमाल से पड़ने वाले दुष्प्रभाव और उसका स्वास्थ्य पर बढ़ता बोझ कम करने के लिए तंबाकू के उत्पादों पर प्रतिबंध लगाने की तैयारी कर रहे हैं। भारत में भी कई स्तरों से तंबाकू उत्पादों की बिक्री को कम करने की कोशिश की जा रही है लेकिन इसके इतर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से तंबाकू उत्पादों से प्राप्त आमदनी पर तैयार एक रिपोर्ट यह दावा करती है कि सिगरेट कंपनियों की आय में बढ़त देखने को मिल रही है। आखिर ऐसा क्या है कि एक तरफ सरकारें तंबाकू उत्पादों के इस्तेमाल को घटाने के उपाय कर रही हैं, दूसरी तरफ कंपनियों की सेहत पर इसका कोई असर नहीं पड़ रहा। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने कहा कि भारत भी लगातार सिगरेट और तंबाकू की खपत कम करने के लिए कदम उठा रहा है। सरकार सिगरेट और तंबाकू उत्पादों पर चेतावनी का साइज बढ़ाने का काफी पहले ही फैसला कर चुकी है। इसके साथ ही सरकार तंबाकू उत्पादों पर सबसे ऊंचा टैक्स स्तर बनाए रखती है। फिलहाल तंबाकू की पत्तियों को छोड़कर बाकी सभी तंबाकू उत्पाद 28 प्रतिशत के सबसे ऊंचे टैक्स स्लैब में हैं।

बीते महीने ही सरकार ने सभी तंबाकू उत्पादों पर टैक्स मामले में एक विशेषज्ञों का समूह बनाया है। जिसमें स्वास्थ्य, जीएसटी, नीति आयोग, सीबीआईसी के सदस्य शामिल होंगे। टैक्स लगाते वक्त तंबाकू उत्पादों को सिन गुड्स माना जाता है। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक तंबाकू का इस्तेमाल करने वाले लोगों की संख्या साल 2015 में 132 करोड़ से घटकर 2020 में 130 करोड़ पर आ गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय की एक रिपोर्ट में अनुमान किया गया है कि साल 2025 तक ये संख्या 127 करोड़ के स्तर पर आ सकती है। फिलहाल तंबाकू का इस्तेमाल करने वालों की दर सबसे अधिक संख्या दक्षिण पूर्व एशिया में है। जहां की कुल आबादी का 29 प्रतिशत हिस्सा तंबाकू का सेवन करता है। पूरी दुनिया में यह 22.5 प्रतिशत के बराबर है।

ऐमजॉन की मुश्किलें बढ़ी, 6.87 करोड़ यूरो का जुर्माना

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिग्गल कारोबारी जेफ बेजोस की कंपनी ऐमजॉन की मुश्किलें लगातार बढ़ रही हैं। पहले यूरोप में कंपनी पर कानूनों के उल्लंघन को लेकर 6.87 करोड़ यूरो का जुर्माना लगा। अब एक ओर इटली की एंटीट्रस्ट अथॉरिटी ने 1.28 अरब डॉलर (1.13 अरब यूरो) का जुर्माना लगाया है, वहीं दूसरी ओर अपने ही देश यानी अमेरिका में अमेजान पर ग्राहकों को गुमराह करने के आरोप लगे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका में फेडरल ट्रेड कमीशन (एफटीसी) के समक्ष की गई शिकायत में कहा गया है कि ऐमजॉन संभावित रूप से लोगों को गुमराह कर रही है। यह इस बात का पर्याप्त रूप से स्पष्ट संकेत नहीं देती कि कौन सा सर्च रिजल्ट पेड एडवटाईजमेंट है और कौन सा नहीं।

शिकायत, अमेरिकी श्रमिक संघों के गठबंधन द स्ट्रैटेजिक ऑर्गनाइजिंग सेंटर (एसओसी) द्वारा दायर की गई है। शिकायत में कहा गया है कि अमेजान के एक चौथाई से ज्यादा सर्च रिजल्ट थर्ड पार्टी द्वारा स्पॉन्सर हैं। साथ ही औसत यूजर के लिए इन्हें स्पष्ट करने के लिए पर्याप्त रूप से लेबल नहीं किया गया है। एसओसी के शोधकर्ताओं, ने 130,000 से अधिक सर्च रिजल्ट्स का विश्लेषण किया। शिकायत में आरोप लगाया गया है

गुजरात में फिर बेकाबू हो रहा है कोरोना, 71 नए मरीज मिले, 27 लोग हुए ठीक

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात में फिर एक बार कोरोना बेकाबू होता दिख हैं शनिवार को राज्य में कोरोना के 71 नए मरीज सामने आए, वहीं 27 ठीक होकर अपने घर लौट गए राहत बात है कि आज राज्य में कोरोना से कोई मौत नहीं हुई दूसरी ओर राज्य में मजबूती के साथ चल रहे टीकाकरण अभियान के तहत आज 4.15 लाख लोगों को वैक्सीनेट किया गया पिछले 24 घंटों में जामनगर कॉर्पोरेशन में सबसे अधिक 15 नए केस सामने आए वहीं वडोदरा कॉर्पोरेशन में 13, सूरत कॉर्पोरेशन में 11, अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 10, कच्छ में 4, नवसारी में 4, मेहसाणा में 3, राजकोट कॉर्पोरेशन में 3, देवभूमि द्वारका में 2, वलसाड में 2, आणंद में 1, गांधीनगर कॉर्पोरेशन में 1, वडोदरा में 1 और अहमदाबाद में 1 समेत राज्यभर में कोरोना के कुल 71 नए मरीज सामने आए हैं वहीं पिछले 24 घंटों में अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 11, सूरत कॉर्पोरेशन में 4, गांधीनगर कॉर्पोरेशन में 4, वडोदरा कॉर्पोरेशन में 2, वलसाड में 2, आणंद में 2, राजकोट कॉर्पोरेशन में 1 और नवसारी में 1 समेत राज्यभर में कुल 27 मरीज कोरोना को मात देकर अपने घर लौट गए राज्य में अब तक 817455 लोग कोरोना से स्वस्थ हो चुके हैं जबकि 10098 मरीजों की मौत हो चुकी हैं राज्य में 524 एक्टिव केस हैं, जिसमें 516 मरीज स्टेबल हैं और 8 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं शनिवार को राज्यभर में 415546 नागरिकों का टीकाकरण किया गया जिसमें 15 हेल्थ केयर वर्कर और फ्रंट लाइन वर्कर को पहला और 1200 को कोरोना का दूसरा टीका लगाया गया 45 वर्ष से अधिक आयु के 11065 को पहला और 97999 को कोरोना का दूसरा डोज दिया गया 18 से 45 वर्ष आयु समूह के 34564 को पहली और 270703 को कोविड की दूसरी वैक्सीन लगाई गई इसी के साथ राज्य में कोविड वैक्सीन लेनेवाले नागरिकों की संख्या 85212332 हो गई हैं

मेहसाणा : ऊंझा की विधायक आशाबहन की हालत गंभीर

मेहसाणा, ११ दिसंबर।

मेहसाणा जिले की ऊंझा की भाजपा की विधायक आशाबहन पटेल फिलहाल गंभीर हालत में हैं। डेंगू होने के बाद उनका लीवर डेमेज हुआ था।

जिसके बाद उसकी हालत नाजुक बनी है। हाल उनको अहमदाबाद की जायडस अस्पताल में भर्ती कराया है। दो दिन पहले उनको गंभीर स्थिति में उपचार के लिए अहमदाबाद में लाया गया था। फिलहाल वह लाइफ सपोर्ट सिस्टम पर उपचार के तहत है। विधायक आशाबहन पटेल की खबर पूछने के लिए सीएम भूपेन्द्र पटेल जायडस अस्पताल पहुंचे थे। मंत्री ब्रिजेश मेरजा भी उनका हालचाल लेने के लिए पहुंचे थे। फिलहाल में आशाबहन दिल्ली गई थी।

जहां से वापस आने के बाद उनको बुखार आया था। रिपोर्ट में उनका डेंगू का उपचार हुआ। उनको ऊंझा की स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। लेकिन बाद में तबियत ज्यादा बिगड़ने पर शुक्रवार को अहमदाबाद की जायडस अस्पताल में भेजा गया। जायडस अस्पताल के एमडी डॉक्टर विठ्ठलभाई शाह ने आशाबहन पटेल की हेल्थ अपडेट के बारे में बताया कि, डेंगू होने की वजह से उनका लीवर डेमेज हुआ था। जिसकी वजह से हालत बिगड़ने पर फिलहाल उनको वेंटिलेटर पर रखा गया है। आशाबहन पटेल की अधिकतर अंग फेल हुए है। जिसमें रिकवर की संभावना कम है। मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल के साथ मंत्री ब्रिजेश मेरजा भी जायडस अस्पताल में पहुंचे। ब्रिजेश मेरजा ने अस्पताल से बाहर आकर बताया कि, आशाबहन फिलहाल बेहोश अवस्था में है। विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम उनकी देखरेख रख रही है। उनके परिवार के सदस्य के तौर पर मिलने आया था। जल्दी स्वस्थ हो इसके लिए भगवान से प्रार्थना की है।

उमियाधाम का शिलान्यास करके अमित शाह ने बताया

पाटीदार समाज का, गुजरात के विकास का ग्राफ समानांतर है

विद्यार्थी यहां रहकर करियर की तैयारियां की ऐसी सभी व्यवस्था यहां है, पाटीदार समाज पुरुषार्थी है

अहमदाबाद, ११ दिसंबर।

अहमदाबाद के सोला में भव्य उमियाधाम का आज शिलान्यास कार्यक्रम आयोजित हुआ है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की उपस्थिति में उमियाधाम का शिलान्यास किया गया। यह कार्यक्रम में राज्यपाल आचार्य देवव्रत भी मौजूद रहे है। शिलान्यास कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल और पूर्व उपमुख्यमंत्री नीतिन पटेल तथा केंद्रीय मंत्री परशोत्तम रुपाला और पाटीदार समाज के सीनियर सीके पटेल और मणिभाई पटेल सहित के सीनियर भी उपस्थित रहे हैं।

अमित शाह ने अपने संबोधन में कहा है कि, पाटीदार समाज का केंद्र ऐसा उमियाधाम गुजरात की आर्थिक राजधानी अहमदाबाद में बनाने का संकल्प पाटीदार समाज ने लिया है। मां उमिया आपके संकल्प पूरा करे ऐसी प्रार्थना है। विद्यार्थी यहां रहकर करियर की तैयारियां की ऐसी सभी व्यवस्था यहां है। पाटीदार समाज पुरुषार्थी है। १०० वर्षों से कोई समाज अपनी बुद्धिमत्ता और पुरुषार्थ न सिर्फ अपने समाज को आगे बढ़ाए, लेकिन प्रदेश और देश में भी कितना बड़ा योगदान करे यह बड़ा उदाहरण है। उनकी गाथा गाई जानी चाहिए। पाटीदार समाज का विकास और गुजरात का विकास दो ग्राफ समानांतर पर जाता है। गुजरात के विकास में पाटीदार समाज का योगदान गुजरात की गाथा लिखी जाएगी तब सुवर्ण अक्षर से लिखी जाएगी। यह समाज ने कई क्षेत्रों में भव्य पुरूषार्थ करके योगदान दिया है। व्यापार, टेक्नोलॉजी, ट्रेडिंग, विदेश में मोटेल सभी में पाटीदार समाज है। मेरा अभिनंदन है कि समाज ने जो प्राप्त किया है यह समाज के लिए खर्च करते है। इसके प्रत्येक समाज को प्रेरणा मिलेगी। उल्लेखनीय है कि, आज शिलान्यास बाद १२ दिसंबर को नवचंडी और १३ दिसंबर को शिलापूजन होगा। १३ दिसंबर को ५०१ शिलापूजन यजमान के साथ सुबह में ९.३० बजे प्रारंभ होगा। तीन दिन शिलान्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इस मौके पर ५१ करोड़ श्री उमिया शरणम मम मंत्र के लेख की पोथीयात्रा भागवत विद्यापीठ से सोला श्री उमियाधाम परिसर तक आयोजित की गई है।

कोरोनाकाल में भी गुजरात सरकार ने राज्य में विकास कार्यों की गति मंद नहीं होने दी

- केन्द्रीय मंत्री अमित शाह ने अहमदाबाद को दी 363 करोड़ के विकास कार्यों की भेंट

अहमदाबाद (ईएमएस) केन्द्रीय गृह एवं सहकार मंत्री अमित शाह ने आज अहमदाबाद को 363 करोड़ के विकास कार्यों की भेंट दी जिसमें 122 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का लोकार्पण और 241 करोड़ के विकास कार्यों का शिलान्यास किया लोकार्पण और शिलान्यास के बाद अमित शाह ने कहा कि कोरोनाकाल में भी गुजरात सरकार ने विकास कार्यों की गति को थमने नहीं दिया नतीजा यह है कि आज कई विकास कार्यों का लोकार्पण करने का अवसर मिला हैं गांधीनगर आज एक विकसित जिला बन गया है और इस विकास की गति से मैं यहां सांसद होने के नाते खुशी व्यक्त करता हूं भारत में सबसे विकसित संसदीय क्षेत्र में गांधीनगर को शामिल कराने में कोई कसर नहीं छोड़ूंगा वैक्सीनेशन को लेकर अमित शाह ने कहा कि गांधीनगर संसदीय क्षेत्र में 100 प्रतिशत टीकाकरण हो चुका है, परंतु जिन लोगों ने अब तक वैक्सीन नहीं लगवाई है, उन्हें फौरन ले लेनी चाहिए देशवासियों के लिए वैक्सीनेशन अभियान शुरू करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का अभिनंदन करते हुए अमित शाह ने कहा कि फिलहाल दुनिया में कोई ऐसा देश नहीं है, जो टीकाकरण के मामले में भारत का मुकाबला कर सके विश्व के कई ऐसे देश भी हैं, जहां अब तक टीकाकरण की शुरुआत तक नहीं हुई उन्होंने कहा कि टीकाकरण के साथ ही पीएम मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने दो वर्ष तक 80 करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज दिया है और भी यह योजना जारी हैं यह काम भारत के अलावा अन्य किसी देश में संभव नहीं हुआ केन्द्रीय मंत्री अमित शाह ने शनिवार को अहमदाबाद सिम्स होस्पिटल चौराहे से हेबतपुर को जोड़ने वाले फोरलेन फ्लाईओवर ब्रिज का लोकार्पण किया इस मौके पर गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल, स्वास्थ्य मंत्री ऋषिकेश पटेल, मंत्री जगदीश विश्वकर्मा, विधायक प्रदीपसिंह जाडेजा, अरविंद पटेल, अहमदाबाद शहर के मेयर किरीट परमार समेत अन्य महानुभाव मौजूद रहे अहमदाबाद महानगर पालिका द्वार उत्तर पश्चिम जोन में निर्मित इस रेलवे ओवरब्रिज कार्यरत होने से सोला से हेबतपुर क्षेत्र में आवागमन सरल हुआ है और रेलवे क्रॉसिंग की वजह सो होनेवाली यातायात समस्या से लोगों को निजात मिली हैं फिलहाल अहमदाबाद में महानगर पालिका द्वार निर्मित 22 रेलवे ओवरब्रिज कार्यरत हैं

कच्छ जेल की ऑफीस में पाकिस्तानी कैदियों ने तोड़फोड़ की

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात के सीमावर्ती जिले कच्छ से जेल में तोड़फोड़ की घटना सामने आई हैं कच्छ जिले के भुज की जीआईसी जेल में बंद तीन पाकिस्तानी कैदियों ने इस तोड़फोड़ की घटना को अंजाम दिया हैं भुज बी डिवीजन पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू की हैं प्राप्त जानकारी के मुताबिक कच्छ जिले के भुज की जीआईसी जेल में पाकिस्तान के तीन कैदी बंद हैं ये तीनों कैदी जेल की ऑफीस में पहुंच गए और वहां मौजूद पुलिस कांस्टेबल के साथ गाली गलौज करने लगे पाकिस्तानी कैदियों ने पुलिस कांस्टेबल से कहा कि आखिर उन्हें कब तक इस जेल में रहना पड़ेगा इतना कहने के बाद पाकिस्तानी कैदियों ने जेल की ऑफीस में हंगामा किया और बाद में तोड़फोड़ की जेल में रखी मटकी फोड़कर अपना सिर फोड़ने का भी पाकिस्तानी कैदी ने प्रयास किया भुज बी डिवीजन पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू की हैं

९ वर्ष की बच्ची ने आत्महत्या की, परिवार रोजाना पीटता था

साबरकांठा, ११ दिसंबर।

गुजरात में बच्चों और युवाओं की आत्महत्या की घटना में चिंताजनक वृद्धि देखने को मिल रही है। आत्महत्या की बढ़ रही घटनाएं मां-पिता के लिए चौंकाने वाला है।

अब साबरकांठा के हिम्मतनगर में ९ वर्ष की बच्ची किसी वजह से घर में ही फांसी लगाकर आत्महत्या की है। सूरत में पढ़ाई छोड़कर रत्नकलाकार १७ वर्षीय किशोर ने फांसी लगाकर आत्महत्या की है।

जबकि राजकोट में रिटायर्ड एसआरटी मेन का बेटा और बीआरटीएस बस स्टैंड में काम करते २१ वर्ष के युवक ने आत्महत्या की। युवराजसिंह चुडासमा ने पिता की रिवाल्वर से सिर के हिस्से में फायरिंग करके आत्महत्या की। लेकिन सवाल यह होता है कि आखिर में क्यों बच्चे और युवक आत्महत्या करने के लिए मजबूर बन रहे हैं। क्यों आत्महत्या की घटना में वृद्धि हो रही है।

ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए मां-पिता ने विशेष ध्यान रखने की जरूरत है। जिसमें मां-पिता को बच्चों पर विशेष ध्यान देना चाहिए और बच्चों को परेशान करते प्रश्नों को हल करना चाहिए। इसके साथ टेक्नोलॉजी के गैरउपयोग से बच्चों को दूर रखना चाहिए। मानसिकता पर असर करे ऐसे कामों से बच्चों को दूर रखना चाहिए। रोजाना कार्यों में बच्चों को आ रही मुश्किल का मां-पिता को निराकरण लाना चाहिए। पढ़ाई के लिए बच्चों पर ज्यादा दबाव नहीं देना चाहिए। इसके साथ गलत रास्ते बच्चा जाए तो मां-पिता को बातचीत करके इसे समझाना चाहिए। इसके साथ ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए मां-पिता को ज्यादा से ज्यादा समय बच्चों के साथ बिताना चाहिए। हिम्मतनगर में नौ वर्ष की बच्ची घर में फांसी लगाकर आत्महत्या करने की घटना हुई है। शहर के पांच बत्ती क्षेत्र में हरसोलिया के डेला में किराये के घर में रहते एक परिवार की बच्ची ने गले में फांसी लगाने से मौत हुई है। देर शाम को घर में बच्ची ने घर की जाली के साथ रुमाल के द्वारा गले में फांसी लगा ली। हालांकि छोटी बच्ची ने किस वजह से ऐसा किया यह अभी सामने नहीं आया है।

दुष्कर्म केस में गुजरात हाईकोर्ट ने आसाराम की जमानत खारिज, 4 महीने में सुनवाई पूर्ण करने का आदेश

अहमदाबाद (ईएमएस) पिछले कई साल से राजस्थान की जेल में बंद आसाराम को गुजरात हाईकोर्ट से कोई राहत नहीं मिली वर्ष 2013 के दुष्कर्म केस में गुजरात हाईकोर्ट ने आसाराम की जमानत याचिका खारिज कर दी है, साथ ही गांधीनगर कोर्ट को चार महीने के भीतर सुनवाई पूर्ण करने का आदेश दिया हैं बता दें कि सूरत की एक महिला ने आसाराम के खिलाफ यौन शोषण का मामला दर्ज कराया था महिला का आरोप है कि वर्ष 1997 से 2006 के दौरान अहमदाबाद के मोटेरा स्थित आश्रम में आसाराम ने उसका यौन शोषण किया था इस मामले में एडवोकेट दीपक पटेल की ओर से गुजरात हाईकोर्ट में दाखिल याचिका में आसाराम की 80 वर्ष की आयु और बिगड़ते स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए जमानत देने की मांग की थी जिसके जवाब में सीबीआई के वकील ने हाईकोर्ट को बताया कि आसाराम करीब 8 वर्ष से राजस्थान की जोधपुर जेल में बंद हैं और जब उनकी तबियत बिगड़ती और उपचार की जरूरत होती है तब एम्स के डॉक्टर उनका उपचार करते हैं सीबीआई के वकील ने हाईकोर्ट को बताया कि एम्स के मेडिकल रिपोर्ट में उनकी तबियत सामान्य बताया गया हैं आसाराम के खिलाफ गवाही देनेवाले सात लोगों पर अतीत में हमला किया जा चुका हैं जिसमें दो लोगों की जान भी चली गई थी ऐसी स्थिति में आसाराम को जमानत देना उचित नहीं हैं दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद गुजरात हाईकोर्ट ने आसाराम की जमानत याचिका को खारिज कर दिया साथ ही गांधीनगर की कोर्ट को आदेश दिया है कि वह इस मामले की सुनवाई 4 महीनों के भीत पूर्ण करें बता दें कि आसाराम जोधपुर की जेल में दुष्कर्म के दो मामलों में उम्र कैद समेत अलग अलग सजा काट रहे हैं जेल में जाने के बाद आसाराम की कई बार तबियत बिगड़ी है और इसके हवाला देते हुए आसाराम जमानत की मांग कर चुके हैं लेकिन निचली अदालत से लेकर सर्वोच्च अदालत से अब तक आसाराम को राहत नहीं मिली हाल ही में आसाराम के अनुयायियों द्वारा पत्रिकाओं का वितरण किया गया हैं जिसमें उम्र कैद की सजा काट रहे आसाराम की हत्या की आशंका व्यक्त की गई हैं पत्रिका में कहा गया है कि जिस प्रकार प्रयागराज में महंत नरेन्द्रगिरी की हत्या कर दी गई, उसी प्रकार आसाराम को उनके करीब के लोग मार देंगे

अनुबंध कृषि से राज्य सरकारों को ही निपटने दें: अहलूवालिया

अहमदाबाद (ईएमएस)। नीती आयोग की पूर्ववर्ती संस्थायोजना आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष मोंटेक सिंह अहलूवालिया ने कहा कि राज्यों को अनुबंध कृषि से निपटने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। उल्लेखनीय है कि अनुबंध कृषि, केंद्र द्वारा वापस ले लिए गए तीन कृषि कानूनों में शामिल एक पहलू था। अहलूवालिया ने कहा ?कि मैं सहमत हूं कि कृषि कानूनों को आधुनिक बनाने की जरूरत है। यहां तीन कृषि कानून हैं, इनमें से एक अनुबंध कृषि से जुड़ा है। किसानों को अनुबंध के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए। मेरा मानना है कि राज्य सरकार को अनुबंध कानून के लिए जो भी नियम की जरूरत हो उसे परिभाषित करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए और उन्हें ऐसा करने देना चाहिए। अहमदाबाद विश्वविद्यालय द्वारा भारत में कोविड-19 महामारी के बाद के लिए सबक विषय पर आयोजित बैठक को ऑनलाइन माध्यम से संबोधित करते हुए उन्होंने यह बात कही। उन्होंने कहा ?कि मेरा मानना है वास्तविक समस्या मंडियों को लेकर है। ऐसा क्या हुआ कि कॉरपोरेट क्षेत्र को लेकर आशंकाएं अचानक से बढ़ गई। इन दिनों कॉरपोरेट क्षेत्र का गठजोड़ होता है। अगर भारत को बड़ी आर्थिक शक्ति बनना है, तो साफ है कि कुछ बड़े भारतीय उद्योग घराने होने वाले हैं और अगर आप कहते हैं कि बड़े उद्योग घराने की मौजूदगी 'क्रॉनी कैप्टिलिज्म' का संकेत है, तो आप भारत को एक बहुत पिछड़ा देश बताते हुए उसकी निंदा कर रहे हैं लेकिन राजनीति ऐसे ही काम करती है।

क्रॉनी कैप्टिलिज्म का अभिप्राय है कि ऐसी आर्थिक प्रणाली से है जहां कारोबार मुक्त उद्यमिता से नहीं बढ़ता, बल्कि पैसे के बल पर और कारोबार एवं राजनीतिक वर्ग के साठगांठ से बढ़ता है। उन्होंने कहा कि किसानों ने तीनों कृषि कानूनों का विरोध किया क्योंकि उन्हें किसी न किसी तरह से सहमत कर दिया गया था कि इन्हें कॉरपोरेट की मदद के लिए बनाया गया है और किसान बड़ी कंपनियों की दया के मोहताज रह जाएंगे।

उत्तर मध्य रेलवे के झांसी-कानपुर सेंट्रल खंड में नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य के कारण पश्चिम रेलवे की कुछ रेल गाड़ियाँ प्रभावित होंगी

उत्तर मध्य रेलवे के झांसी-कानपुर सेंट्रल सिंगल लाइन सेक्शन पर नंदखास-मोठ-एरच रोड-परौना स्टेशनों के बीच दोहरीकरण के संबंध में नॉन इंटरलॉकिंग कार्य के कारण पश्चिम रेलवे की कुछ ट्रेनें निरस्त रहेंगी और कुछ ट्रेनें झांसी - ग्वालियर - भिंड - इटावा - कानपुर सेंट्रल के रास्ते डायवर्टेड रूट पर चलायी जायेंगी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री सुमित ठाकुर द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार ट्रेनों का विवरण इस प्रकार है:

निरस्त ट्रेनों का विवरण :

1. 17 दिसंबर, 2021 की 09465 अहमदाबाद - दरभंगा साप्ताहिक विशेष ट्रेन 2. 20 दिसंबर,2021 की 09466 दरभंगा-अहमदाबाद साप्ताहिक विशेष ट्रेन 3. 21 दिसंबर, 2021 की 20414 इंदौर-वाराणसी जं महाकाल सुपरफास्ट एक्सप्रेस 4. 22 दिसंबर, 2021 की 20413 वाराणसी जं-इंदौर महाकाल सुपरफास्ट एक्सप्रेस

ट्रेनों का डायवर्जन वाया झांसी-ग्वालियर-भिंड-इटावा-कानपुर सेंट्रल

1. 15 दिसंबर, 2021 की 12943 वलसाड-कानपुर सेंट्रल उद्योगकर्मी एक्सप्रेस 2. 17 दिसंबर, 2021 की 12944 कानपुर सेंट्रल - वलसाड उद्योगकर्मी एक्सप्रेस 3. 16 दिसंबर,2021 की 22468 गांधीनगर केपिटल -वाराणसी जं एक्सप्रेस 4. 12 व 19 दिसम्बर, 2021 की 19306 कामाख्या-डॉ अम्बेडकरनगर एक्सप्रेस.

डीसा में रबारी समाज का सामाजिक संविधान

शादी में सिर्फ छह तोला सोना के गहने ले जाने का निर्णय

बनासकांठा, ११ दिसंबर।

बनासकांठा के डीसा में रबारी समाज ने समूह विवाह और सामाजिक संविधान की पहल की है जिसे गांव-गांव से समर्थन मिल रहा है।

लाखणी के शेकरा और डीसा के आसेडा में आयोजित बैठक में सामाजिक संविधान के तहत विवाह प्रसंग पर सिर्फ छह तोला सोना के गहने ले जाने का निर्णय लिया गया है। रबारी समाज के सीनियर गोवाभाई देसाई, डीसा मार्केटयार्ड के चेयरमैन तथा समूह विवाह के भोजन दाता मावजीभाई देसाई आने प्रमुख रेवाभाई देसाई के नेतृत्व में डीसा रबारी समाज द्वारा प्रथम समूह विवाहोत्सव का आयोजन हो रहा है। इसके साथ-साथ समाज को कई देखादेखी और फिजूल खर्च से बाहर निकालने के लिए सामाजिक संविधान करने का भी बीड़ा सीनियरों ने उठाया है। डीसा के आसेडा में स्थित सुराबावा की जगह में मावजीभाई देसाई तथा प्रमुख रेवाभाई देसाई सहित समाज के सीनियर और बुजुर्ग और युवकों की मौजूदगी में समूह विवाह और सामाजिक सुधार मामले में बैठक आयोजित हुई थी। जिसमें गांव-गांव से आये समाज बंधुओं ने समूह विवाह और सामाजिक संविधान को सख्ती से लागू करना और कराने के लिए संकल्प किया गया था। बैठक में समूह विवाह के अलावा सामाजिक संविधान और शिक्षा पर भी जोर दिया गया। बढ़ रही महंगाई में २० से २५ तोला सोने के गहने देने के सामने विवाद प्रसंग पर बेटा के पिता ने सिर्फ छह तोला सोना के गहने लेकर जाएंगे। जबकि निधन प्रसंग पर लौकिक क्रिया में रविवार का दिन बंद था। लेकिन समय के साथ नौकरी धंधे की संख्या बढ़ने पर रविवार का दिन छुट्टी होने से यह दिन में भी लौकिक क्रिया चालू रखने का निर्णय हुआ है। जबकि बीमार के समय में लोग बुलाने के लिए (समाचार लेने) जाते थे। इस दौरान सामने से ओढामणा दिया जाता था। जो हमेशा बंद किया गया है जो निर्णय को समाज के कई लोगों ने अपना भी लिया है। इसके अलावा कई छोटे-बड़े सामाजिक सुधार भी किए गए हैं।

प्रेम प्रकरण की वजह से अंतिम कदम उठाया

रिटायर्ड एसआरपी जवान के बेटे ने शोर्टगन से आत्महत्या की

परिवार के अनुसार गत रात को खाने के बाद घनश्यामसिंह खाने के बाद अपने परिवार के साथ ऊपर सोने के लिए गया था

राजकोट, ११ दिसंबर।

शहर में और एक आत्महत्या की घटना सामने आई है। जहां रिटायर्ड एसआरपी जवान के बेटे ने आत्महत्या करने से सनसनी मच गई है।

अपने रुम में ऊपर सोने के लिए गये बेटे ने टीवी का वोल्युम बढ़ाकर पिता की शोटगन से फायरिंग करके आत्महत्या कर ली। हाल भक्तिनगर पुलिस द्वारा इस मामले में शिकायत दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार भक्तिनगर सर्कल निकट जलाराम चौक के पास पटेलवाडी के सामने गायत्रीनगर शेरी नंबर ५ में रहते युवराजसिंह घनश्यामसिंह चुडासमा रात को अपने घर पर नीचे के रुम में पिता घनश्यामसिंह लखुभा चुडासमा और मां-बहन के साथ टीवी देख रहे थे। देर रात को परिवार के लोग सोने के लिए ऊपर के रुम में सोने के लिए गये थे।

जबकि पिता घनश्यामसिंह लखुभा चुडासमा और मां बहन के साथ टीवी देख रहे थे। रात को १२ बजे के करीब परिवार का सोने के लिए उपर के रुम में जाने से पहले युवराजसिंह आप जाओ मैं टीवी देखकर आता हूं। यह कहकर ऊपर के रुम में गया था। बेटा सोने नहीं आने पर पिता इसे बुलाने के लिए नीचे गये थे। हालांकि युवराज पलंग पर घायल हालत में पड़ा था। बगल में शोर्टगन भी पड़ी थी। यह देखकर पिता ने शोर मचाने पर परिवार और आसपास के लोग पहुंच गये थे। परिवार के अनुसार गत रात को खाने के बाद घनश्यामसिंह खाने के बाद अपने परिवार के साथ ऊपर सोने के लिए गये थे। युवराज नीचे टीवी देख रहा था। पिता की लाइसेंस वाली १२ बोर की बंदूक से उसने फायरिंग करके आत्महत्या की। युवराज परिवार का एक का एक बेटा था। इसके तथा इसकी बहन की शादी भी बाकी था। प्राथमिक जांच में युवराज की आत्महत्या पीछे का कारण प्रेम प्रकरण होने का पुलिस मान रही है।

मुंबई सेंट्रल-अहमदाबाद तेजस एक्सप्रेस अब सप्ताह में पांच दिन चलेगी

अहमदाबाद (ईएमएस) यात्रियों की सुविधा के लिए ट्रेन संख्या 82901/82902 मुंबई सेंट्रल-अहमदाबाद तेजस एक्सप्रेस की आवृत्ति सप्ताह में 4 दिन से बढ़ाकर सप्ताह में 5 दिन करने का निर्णय लिया गया है। यह ट्रेन अब 22 दिसंबर, 2021 से बुधवार, शुक्रवार, शनिवार, रविवार और सोमवार को चलेगी।

मण्डल रेल प्रवक्ता अहमदाबाद के अनुसार ट्रेन का विवरण इस प्रकार है:-

☐ ट्रेन नंबर 82901/82902 मुंबई सेंट्रल-अहमदाबाद तेजस एक्सप्रेस (सप्ताह में पांच दिन)

ट्रेन संख्या 82901 मुंबई सेंट्रल-अहमदाबाद तेजस एक्सप्रेस मुंबई सेंट्रल से प्रत्येक बुधवार, शुक्रवार, शनिवार, रविवार और सोमवार को 15.45 बजे प्रस्थान करेगी और उसी दिन 22.05 बजे अहमदाबाद पहुंचेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 82902 अहमदाबाद-मुंबई सेंट्रल तेजस एक्सप्रेस अहमदाबाद से प्रत्येक बुधवार, शुक्रवार, शनिवार, रविवार और सोमवार को 06.40 बजे प्रस्थान करेगी और उसी दिन 13.05 बजे मुंबई सेंट्रल पहुंचेगी। रास्ते में यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, वापी, सूरत, भरूच, वडोदरा और नडियाद स्टेशनों पर रुकेगी। ट्रेन में एसी चेयर कार और एसी एग्जीक्यूटिव चेयर कार कोच शामिल हैं। उपरोक्त ट्रेन पूरी तरह से आरक्षित ट्रेन के रूप में चलती है और इस ट्रेन की बुकिंग केवल आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर खुली है। ठहराव के समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जा सकते हैं। पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों से अनुरोध किया जाता है कि वे बोर्डिंग, यात्रा और गंतव्य पर ण्ध्ध्ध्-19 से संबंधित सभी मानदंडों तथा एसओपी का पालन करें।

रेलवे सुरक्षा बल-राजकोट मंडल के शानदार कार्य की रेलवे बोर्ड द्वारा की गयी प्रशंसा

आरपीएफ व जीआरपी की संयुक्त कार्यवाही में पकड़ा गया यात्रियों के मोबाइल चोरी करने वाला व्यक्ति, जप्त किये गए 1,97,000 रु के 16 मोबाइल

रेलवे सुरक्षा बल-राजकोट मंडल के रेल मदद पोर्टल पर कार्यरत स्टाफ द्वारा अक्टूबर, 2021 के महीने में रेल मदद पोर्टल पर 17 यात्रियो द्वारा की गई शिकायतों का त्वरित निपटारा किया गया। राजकोट डिविजन के सीनियर डीसीएम श्री अभिनव जेफ ने बताया कि आरपीएफ स्टाफ द्वारा किए गये इस बेहतरीन कार्य की रेलवे बोर्ड द्वारा सराहना की गयी है। रेल यात्रियों द्वारा प्राप्त शिकायतों का जल्द से जल्द निपटारा करने के लिए रेलवे सुरक्षा बल सदैव प्रयास रत रहता है। गौर तलब है कि हाल ही में कुछ समय पूर्व 18 अगस्त, 2021 को एक यात्री द्वारा राजकोट स्टेशन पर मोबाइल चोरी होने की शिकायत दर्ज की गयी थी। इस संबंध मे शिकायत मिलने पर आरपीएफ स्टाफ द्वारा बारीकी से जांच पड़ताल की गयी और राजकोट स्टेशन की ण्ण्ऊ फुटेज एवं तकनीकी विश्लेषण के आधार पर पाया कि राजकोट स्टेशन

पर अलग-अलग जगह जैसे कि प्लेटफॉर्म नं 1, सर्कुलेटिंग एरिया तथा स्लीपर क्लास वेटिंग रूम से कई यात्रियों के मोबाइल एक ही व्यक्ति द्वारा चोरी किए गए हैं। इसके बाद आरपीएफ स्टाफ द्वारा फुटेज में देखे गये व्यक्ति पर कड़ी निगरानी रखी गयी और मात्र दो दिनों में GRP के साथ संयुक्त कार्यवाही में नितिनभाई नामक एक व्यक्ति (उम्र 21 साल) को 20 अगस्त, 2021 को गिरफ्तार कर लिया गया। इस व्यक्ति के पास से यात्रियों से चोरी किए गये कुल 16 मोबाइल जप्त किये गए जिनकी कुल किंमत करीब Rs.1,97,000/- थी।

राजकोट मंडल मंडल रेल प्रबंधक श्री अनिल कुमार जैन और मंडल सुरक्षा आयुक्त (डीएससी) श्री पवन कुमार श्रीवास्तव द्वारा रेल मदद पोर्टल का कार्य संभाल रहे हैड कांस्टेबल-अमित वाघेला, कांस्टेबल-महेश चावडा व संजय देथा को तथा मोबाइल चोर को पकड़ने वाली टीम में शामिल राजकोट इइ स्टाफ निरीक्षक बाबूलाल चावडा, हैड कांस्टेबल अमित यादव, कांस्टेबल प्रवीण कुमार सोया व विष्णु परमार तथा उैंइ राजकोट के स्टाफ निरीक्षक आर एम दवे, हैड कांस्टेबल सिध्धराज, हितेश व कांतिलाल को नगद पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

कैसे उतरेंगे जीवन की कसौटियों पर खरे?

आने वाले सप्ताह में एण्डटीवी के षोज 'बाल षिव', 'घर एक मंदिर – कृपा अग्रसेन महाराजा की', 'और भाई क्या चल रहा है?', 'हप्पू की उलटन पलटन' और 'भाबीजी घर पर हैं' में बहुत सारा ऐक्षन, ड्रामा, कॉमेडी और रोमांस देखने को मिलेगा। यह सभी शोज छोटे पर्दे के दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करना जारी रखेंगे।

'बाल शिव' करेंगे गुरूकुल के बच्चों का कल्याण

एण्डटीवी के 'बाल षिव' में देवी पार्वती (षिव्या पठानिया) महादेव को कैलाष पर वापस लाने की जिद में हैं। इस बीच गुरूकुल के छात्र महासती अनुसूया (मौली गांगुली) को नई षिक्षा नीति के बारे में बताते हैं, जिससे उन पर निर्धनता के कारण गुरूकुल से बाहर होने का खतरा है। अनुसूया उन्हें आष्वस्त करती हैं, कि वे मातश्त्व के साथ गुरूकुल का दायित्व भी निभाएंगी, लेकिन दण्डपाणि (रवि खानविलकर) अनुसूया का गुरूकुल में आना निशेध कर देते हैं। अनुसूया के न आने से छात्रों का दिल टूट जाता है, लेकिन बाल षिव (आन तिवारी) गुरूकुल जाते हैं और उन्हें आष्वस्त करते हैं कि उन्हें बाहर नहीं किया जाएगा। वह भिक्षा माँगते हैं और पैसा जुटाते हैं। महासती अनुसूया (मौली गांगुली) ने कहा किए "हर किसी के सामने चुनौती है, क्योंकि पार्वती महादेव को वापस चाहती हैं, अनुसूया के मरने का जोखिम है और बाल षिव भिक्षा माँग रहे हैं। अभी बहुत सारा ड्रामा होगा, जो दर्षकों को बाँधे रखेगा।"

पाठकों से

प्रिय पाठकगण आप सभी के उष्मासभर सहयोग से आपका प्रिय समाचार पत्र जनहितैषी अपने प्रकाशन के २६ वर्ष पूर्ण कर आज २७वें वर्ष में प्रवेश कर चुका है।

अब समाचारों के लिए डिजीटल मीडिया सबकी अधिकतम पसंदगी है। इसे देखते हुए हमने आज से वेब पोर्टल शुरू किया है। इस पर आप ताजा समाचारों के साथ-साथ जनहितैषी समाचारपत्र भी पढ़ पायेंगे। तो आज ही सर्च करें janhitaishinews.com

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादकः लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोनः 079-22921482